सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 10 ● अंक: 283 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, गुरुवार, 21 नवम्बर, 2024
मूल्य ₹ 3/-

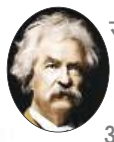

स्वास्थ्य संबंधी किताबों को पढ़ने में सावधानी बरतिये। एक मुद्रणदोष की वजह से आपकी मौत हो सकती है।
-मार्क ट्वेन

तिलक टी-20 रैंकिंग में शीर्ष तीन... 7 | हिंदू-मुस्लिम, के बाद अब क्रिश्चयन... 3 | बीजेपी के शासनकाल में लोकतंत्र... 2

भाजपा व सीएम योगी ने मिट्टी में मिला दिया लोकतंत्र!

उपचुनाव में वोट डालने को तरसे लोग

- एग्जिट पोल- सर्वे में बजे अपने-अपने ढोल
- बीजेपी को बाय-बाय बोलना शुरू कर चुकी है जनता
- चुनाव आयोग को पांच पुलिसकर्मी सस्पेंड करने पड़े

4पीएम न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली। महाराष्ट्र व झारखंड में मतदान हो चुका है। अब एक्जिट पोल आने लगे हैं। सियासी दल अपने-अपने हिसाब से दावे कर रहे हैं। लगभग दस एजेंसियों ने लोगों से सर्वे के आधार पर एग्जिट पोल की रिपोर्ट जारी किए है। जिसमें दस में छह सर्वे एनडीए व चार इंडिया गठबंधन की सरकार बना रहें हैं। हालांकि इन सर्वे पर अभी कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी। ऐसा देखने में आया है 24 के लोकसभा चुनाव व हरियाणा के विधानसभा चुनाव में परिणाम एग्जिट पोल के उलट हो गए थे।

ऐसे में हमें 23 नवम्बर तक इंतजार करना होगा। उधर उत्तर प्रदेश में जिस तरह से उपचुनाव में भाजपा सरकार ने मुस्लिम वोटरों को वोट डालने से रोका गया योगी सरकार का काला चेहरा सामने आ गया है। विपक्ष ने इसपर बीजेपी को घेरा है। वहीं अब चर्चा हो रही है कि क्या यूपी के उपचुनाव समेत देश के दो राज्य, महाराष्ट्र और झारखंड में हुए विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी चुनाव बुरी तरह से हार रही है? एग्जिट पोल के नतीजे, नीतिश कुमार के संकेत और यूपी में रक्तरंजित हुए लोकतंत्र की तस्वीरें तो इसी ओर इशारा कर रही है कि जनता ने बीजेपी को बॉय-बॉय बोलना शुरू कर दिया है। युवति की हत्या, वोट डालने जाती महिलाओं पर दरोगा का पिस्टल तानने की तस्वीरें, और थानों में वोटर्स के संवैधानिक दस्तावेजों को जमा करा के उनको नकली दस्तावेज बता कर वोट देने से रोकने की कोशिश को यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव भारतीय जनता पार्टी की हार बता रहे हैं। शिवपाल सिंह यादव ने ताजे बयान में कहा है कि सपा कम से कम 6 सीटे जीत रही है। वहीं सरकार के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक और बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र चौधरी द्वारा सपा को कटघरे में खड़ा करने की कोशिश को राजनीतिक पंडित अवध की कई प्रचलित कहावातों से जोड़ कर देख रहे हैं।

बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष ने संविधान को दे डाली खुली चुनौती

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र चौधरी भी उप-चुनाव में बीजेपी की परफार्मेंस से निराश दिखाई दिये। यह उनकी लीडरशिप में दूसरा बड़ा चुनाव है जहां उनके सामने पार्टी को जीत दिलाने की चुनौती है। इससे पहले लोकसभा चुनाव में बीजेपी को यूपी मे भारी हार का सामना करना पड़ा था। बीजेपी के भीतर उनके नेतृत्व पर कई नेता सवालिया निशान लगा चुके हैं। भूपेन्द्र चौधरी ने प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि बुर्का पहने महिलाए नकली वोट डाल रही है। इन्हें रोका जाए इसके बाद उन्होंने कहा कि आईडी पुलिस नहीं चेक करेगी तो कौन करेगा ? वह कहते दिखाई पड़े कि आईडी तो पुलिस ही चेक करेगी। यानि कि उन्हें निर्वाचन आयोग, कानून और संविधान से कोई मतलब नहीं। वह बस चुनाव में जीत हासिल कर अपनी कुर्सी बचाये रखना चाहते हैं।

चुनाव रद्द हों : रामगोपाल

सपा नेता रामगोपाल यादव ने कहा कि उपचुनाव समाजवादी पार्टी और संबंधित क्षेत्रों के जिला अधिकारियों और पुलिस अधिकारियों के बीच थे न की सपा और बीजेपी के बीच, जिस तरह का नंगा नाच कल पुलिस ने उपचुनावों में खासकर मीरा पुर, कुन्दरकी, सीसामऊ और कटहरी में किया ,वह लोक तंत्र के लिए ख़तरे की घंटी है, ज्यादती तो हर जगह हुई है, लेकिन उपरोक्त क्षेत्रों में प्रशासन ने मर्यादाओं की सारी सीमाएँ पार कर दी हैं,मीरापुर, कुंदरकी सीसामऊ में मुस्लिम मतदाताओं को बन्दूक की नोक पर मत डालने से रोका गया। ये चुनाव रद्द हों और दुबारा चुनाव अर्ध सैनिक बलों की देख रेख में होने चाहिए।

पोल ऑफ पोल्स में एनडीए को बढ़त

पोल ऑफ पोल्स के मुताबिक, महाराष्ट्र में बीजेपी प्लस को 139 से 156, कांग्रेस प्लस को 119 से 136 और अन्य को 11 से 16 सीटें मिल सकती हैं, वहीं, झारखंड में बीजेपी प्लस को 38 से 43, कांग्रेस प्लस को 34 से 41 और अन्य को दो से चार सीटें मिलने का अनुमान लगाया गया है।

ज्यादातर जगहों पर 50 फीसदी से कम वोट पड़े

बदले वोटिंग ट्रेंड में यूपी हो या झारखंड, राजस्थान हो या फिर महाराष्ट्र। वोटों की खूब बारिश होती है। लेकिन यूपी की इन 9 सीटों पर ज्यादातर जगहों पर 50 फीसदी से कम वोट पड़े। राजनीतिक विषलेशक इस पुलिस की सख्ती और बैरेकेटिंग लगा कर वोटर्स को घरों में रोकने की कवायद से जोड़कर देख रहे हैं। पूरे दिन लगातार वोट न डालने देने की शिकायते सुनाई देती रहीं। मीरापुर में तो महिलाएं सीना तान कर पिस्टल ताने दारोगा के सामने खड़ी हो गयी। वही मुजफ्फरनगर में पुलिस पर पथराव हुआ। कानपुर का हाल किसी से छिपा नहीं है। मुरादाबाद से भी इसी तरह की तस्वीरे दिन पर वायरल होती रही। हालांकि कुंदरकी विधानसभा में पुलिस की सख्ती की खबरें चुनाव से कई दिन पहले से आना शुरू हो गयी थी। लेकिन कुंदरकी और मीरापुर ही ऐसी दो विधानसभा सामने आई जहां का वोटिंग प्रतिशत 57 तक पहुंचा।

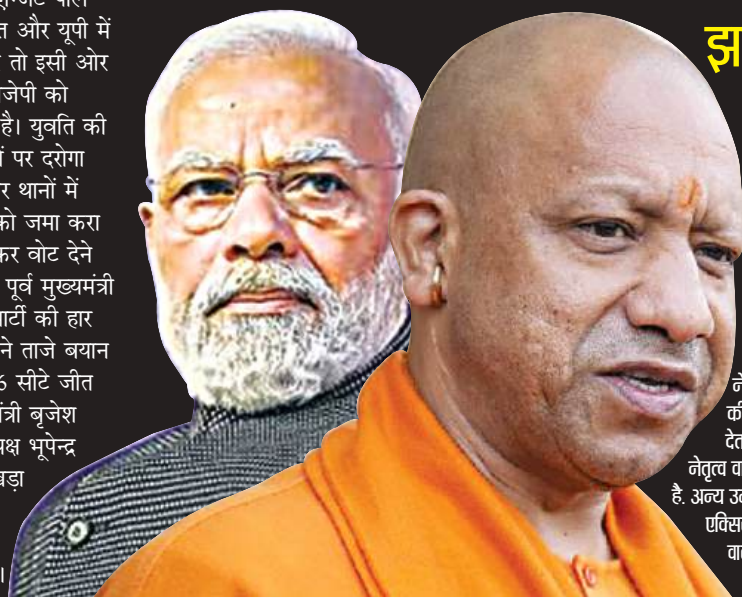

झारखंड में 7 में से 3 में बीजेपी को बहुमत

मैट्रिज एग्जिट पोल के मुताबिक, बीजेपी के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन को 42 से 47 सीटें मिलने की संभावना है, जबकि झारखंड मुक्ति मोर्चा-कांग्रेस-राष्ट्रीय जनता दल सत्तारूढ़ गठबंधन (इंडिया) को लगभग 25 से 30 सीटें मिलने की उम्मीद है, जबकि अन्य को एक से चार सीटें मिलने की संभावना है। टाइम्स नाउ एग्जिट पोल के मुताबिक, एनडीए को राज्य में 40 से 44 सीटें मिलने की उम्मीद है, जबकि जेएमएम के नेतृत्व वाले गठबंधन को 30 से 40 सीटें मिलने की संभावना है। पीपुल्स पल्स एग्जिट पोल भी एनडीए को बढ़त देता है, जिसमें गठबंधन के लिए 44-53 सीटें और जेएमएम के नेतृत्व वाले गठबंधन को 25-37 सीटें मिलने की भविष्यवाणी की गई है. अन्य उम्मीदवारों को पांच से नौ सीटें मिलने की उम्मीद है। हालांकि, एक्सिस-माई इंडिया ने अनुमान लगाया है कि जेएमएम के नेतृत्व वाला गठबंधन कुल 81 सीटों में से 53 सीटों के साथ राज्य में जीत हासिल कर सकता है।

महाराष्ट्र में 10 में 6 एग्जिट पोल में एनडीए सरकार

मैट्रिज ने महायुति को 150-170 और महा विकास अघाड़ी को 110-130 सीटें मिलने का अनुमान लगाया है। पी-मार्क ने महायुति को 137-157 और एमवीए को 126-146 सीटें दी हैं। चाणक्य ने महायुति को 152-160 और एमवीए को 130-138 सीटें मिलने का अनुमान लगाया है। पोल डायरी ने संकेत दिया है कि महायुति को 137-157 और एमवीए को 126-146 सीटें मिल सकती हैं, पीपुल्स पल्स ने महायुति को 182 और एमवीए को 97 सीटें मिलने का अनुमान लगाया है। लोकशाही मराठी-रुद्र ने महायुति को 128-142 और एमवीए को 125-140 सीटों के साथ कड़ी टक्कर का अनुमान लगाया है। वहीं, भास्कर रिपोर्टर्स पोल अलग है, जिसमें एमवीए के लिए 135-150 सीटें और महायुति के लिए 125-140 सीटें मिलने का अनुमान लगाया गया है।

एग्जिट पोल

बीजेपी के शासनकाल में लोकतंत्र का बन रहा है मजाक : शिवपाल

» पूर्व मंत्री बोले- उपचुनाव में सपा देगी भाजपा को पटखनी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में कुल 9 सीटों पर उपचुनाव हो गया है वहीं 23 नवंबर को मतगणना होनी है, मतदान समाप्त होने के बाद सभी पार्टियों के नेता अपने-अपने जीत के दावे कर रहे है, इसी बीच पूर्व मंत्री और अखिलेश यादव के चाचा शिवपाल यादव का भी बयान सामने आया है, जिसे लेकर सियासी हलचल तेज हो गई है, उन्होंने कहा कि बीजेपी के शासन काल में लोकतंत्र का मजाक बनाया जा रहा है, शासन प्रशासन के द्वारा वोट का लूट हुआ है, कुछ अधिकारियों की सूची बनेगी और उन पर कार्रवाई होगी।

शिवपाल ने यह भी कहा कि उपचुनाव में शासन का प्रशासन पर दबाव बना हुआ था, सपा कितनी सीटें जीत रही है, उस पर उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी 5 से 6 सीट जीतेगी। देश में बीजेपी के खिलाफ माहौल है। बीजेपी ने कुल झूठ बोला है, 8 साल में यूपी में अभी तक सड़क बनकर तैयार नहीं हुआ है।

बीजेपी का सूपड़ा साफ होगा : फखरूल हसन

महाराष्ट्र और झारखंड विधानसभा चुनाव 2024 के एग्जिट पोल पर सपा प्रवक्ता फखरुल हसन चांद ने कहा कि लोकसभा में बीजेपी 400 पार का नारा दे रही थी, लेकिन वे बहुमत से दूर हो गए। सपा को भरोसा है चाहे महाराष्ट्र, झारखंड या उत्तर प्रदेश की बात हो तीनों जगह बीजेपी का सूपड़ा साफ होगा और जब परिणाम सामने आएंगे तो एग्जिट पोल बदल जाएंगे।

अखिलेश यादव के गढ़ में उम्मीद से कम हुआ मतदान

मैनपुरी के करहल विधानसभा उपचुनाव के लिए हुए मतदान में मतदान का प्रतिशत पहले के चुनावों से गिरा है। विधानसभा उपचुनाव में बुधवार को हुए मतदान का प्रतिशत 53.89 रहा है। जबकि वर्ष 2022 में हुए विधानसभा चुनाव में मतदान का प्रतिशत 66.11 रहा था। इस बार 12.20 प्रतिशत मतदान कम हुआ है। एक अनुमान के मुताबिक इस बार 45000 कम वोट पड़ा है। करहल विधानसभा में हर बार मतदान का प्रतिशत 60 प्रतिशत से ज्यादा रहता था। मतदान का बढ़ा प्रतिशत हमेशा सपा को लाभ पहुंचाने वाला माना जाता था। इस बार सपा ने पूर्व सांसद तेजप्रताप यादव को प्रत्याशी बनाया तो भाजपा ने सपा सांसद धर्मेंद्र यादव के बहनोई अनुजेश सिंह को मैदान में उतार दिया। अनुजेश ने यादव समाज के वोटों में विभाजन करने की जमकर कोशिश की। कमरिया घोषीवाद का भी भाजपा की ओर से नारा दिया गया।

ईवीएम में कैद हुई प्रत्याशियों की किस्मत

करहल विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ रहे सभी सात प्रत्याशियों की किस्मत ईवीएम में कैद हो गई। कड़ी सुरक्षा के बीच ईवीएम को नवीन मंडी स्थित स्ट्रांग रूम में रखवाया गया। यहीं अब 23 नवंबर को मतगणना होगा, जिसके बाद हार जीत का फैसला भी हो जाएगा।

आजम खां से मिले चंद्रशेखर आजाद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सीतापुर। सीतापुर जिला कारागार में बंद सपा नेता आजम खां से सांसद चंद्रशेखर आजाद ने बृहस्पतिवार को मुलाकात की। आजम लंबे समय से सीतापुर जेल में बंद हैं। गौरतलब है कि वर्ष 2023 में चंद्रशेखर पर हमला हुआ था। इस घटना के बाद आजम खां और उनके बेटे अब्दुल्ला ने चंद्रशेखर से घर पहुंच कर उनका हाल जाना था।

» बड़ी संख्या में समर्थक रहे मौजूद

चंद्रशेखर आजाद कुछ दिन पहले हरदोई जेल में बंद आजम के पुत्र अब्दुल्लाह आजम से भी मिलकर आये हैं। इतना ही नहीं, चंद्रशेखर बीते दिनों आजम के रामपुर स्थित आवास पहुंचे थे। वहां आजम के परिजनों से मुलाकात भी की थी। बताया जा रहा है कि सांसद करीब एक घन्टे जेल में मुलाकात की। मुलाकात से पहले जेल अधीक्षक एस के सिंह ने बताया कि सामान्य रूप से उनकी मुलाकात कराई गई। सांसद होने के नाते जो प्रोटोकॉल उनके लिए है उनका अनुपालन कराया गया।

मणिपुर हिंसा के बीच आया इरोम शर्मिला का बयान, कहा-

पीएम मोदी को समाधान के लिए करना चाहिए हस्तक्षेप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

इंफाल। दुनिया का सबसे बड़ा अनशन करने के लिए मशहूर अधिकार कार्यकत्री इरोम शर्मिला ने कहा कि पिछले साल मई से मणिपुर को जलाने वाली लंबी हिंसा के समाधान के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हस्तक्षेप आवश्यक है। उन्होंने कहा कि हिंसा प्रभावित मणिपुर में संकट के समाधान के लिए पीएम मोदी का हस्तक्षेप जरूरी है।

शर्मिला का यह बयान जातीय संघर्ष प्रभावित मणिपुर में हिंसा की ताजा लहर के बीच आया है। 11 नवंबर को मणिपुर पुलिस ने दावा किया कि सुरक्षा बलों के साथ भीषण गोलीबारी में 10 संदिग्ध आतंकवादी मारे गए। यह मुठभेड़ तब शुरू हुई जब छलावरण वर्दी में और अत्याधुनिक हथियारों से लैस विद्रोहियों ने जिरीबाम जिले के जकुराधोर में बोरोबेकरा पुलिस स्टेशन और निकटवर्ती सीआरपीएफ शिविर पर लगातार गोलीबारी की। पुलिस ने दावा किया था कि कुछ घंटों बाद, संदिग्ध आतंकवादियों ने कथित तौर पर उसी जिले से महिलाओं और बच्चों सहित छह नागरिकों का अपहरण कर लिया। इसके बाद शनिवार को जिरीबाम में बराक नदी से दो महिलाओं और एक बच्चे के शव बरामद किये गये. एक रात पहले एक महिला और दो बच्चों सहित तीन अन्य शव पाए गए थे। इससे जिरीबाम में हिंसक विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया क्योंकि शनिवार को विरोध प्रदर्शनों ने तीन मंत्रियों और 6 विधायकों के आवासों पर हमला किया।

एक अधिकारी ने कहा कि राज्य के जिन मंत्रियों के आवासों पर प्रदर्शनकारियों ने हमला किया उनमें सपम रंजन, एल सुसींद्रो सिंह और वाई खेमचंद शामिल हैं। हमले के बाद सरकार ने कर्फ्यू लगा दिया और इंटरनेट बंद कर दिया।

इस बार हंगामेदार होगा संसद का शीतकालीन सत्र

विधानसभा चुनाव के नतीजों के बाद 25 से शुरू होगी कार्यवाही, सत्तापक्ष व विपक्ष तैयार, वक्फ बिल है बड़ा मुद्दा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। महाराष्ट्र और झारखंड विधानसभा चुनाव के नतीजों के बाद 25 नवंबर से संसद का शीतकालीन सत्र शुरू हो जाएगा। इस सत्र के हंगामेदार होने के आसार हैं। माना जा रहा है कि इस सत्र में वक्फ संशोधन बिल पेश किया जा सकता है। इस सत्र को लेकर सत्तापक्ष व विपक्ष ने अपनी-अपनी तैयारी शुरू कर दी है। 20 दिसंबर तक चलने वाले इस सत्र में पांच नए विधेयक, विवादास्पद वक्फ समेत 10 बिल पारित हो सकते हैं।

इस सेशन में सबसे ज्यादा नजर वक्फ बिल पर होगी। इसको लेकर पहले ही जेपीसी की बैठक में हंगामा हो चुका है और आज भी इसको लेकर बैठक की जाएगी। आइए जानते हैं कि इस सत्र के दौरान संसद में कौन-कौन से बिल पेश किए जाएंगे। मोदी सरकार ने पांच नए बिल सूचीबद्ध किए हैं, इनमें कोस्टल शिपिंग बिल भी शामिल है, जोकि तटीय व्यापार को बढ़ावा देने के लिए है, इसके अलावा संसद में भारतीय बंदरगाह विधेयक, 2024 भी लाया जाएगा। इसका उद्देश्य भारत के अंतराष्ट्रीय दायित्वों और वैधानिक अनुपालन के अनुरूप बंदरगाहों के संरक्षण के लिए है। अब बात करते हैं कि उस बिल की जिस पर सबकी नजरें टिकीं हुई हैं, सरकार इस बिल को लेकर चाहेगी कि यह इसी सत्र में पारित करा लिया जाए।

18वीं लोकसभा के शीतकालीन सत्र में वन नेशन वन इलेक्शन बिल भी पेश होने की भी उम्मीद है। इसके अलावा जम्मू कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा देने का प्रस्ताव भी पास होने की संभावना है। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि हाल ही में जम्मू कश्मीर में 10 साल बाद विधानसभा चुनाव हुए हैं, जिसको लेकर विपक्ष का तीखा रुख देखने को मिला था। अब इसको लेकर संसद के 2024 के शीतकालीन सत्र में जोरदार हंगामा होने की उम्मीद है। इससे पहले संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने ट्वीट करते हुए बताया कि संसद का शीतकालीन सत्र 25 नवंबर से शुरू हो रहा है और 20 दिसंबर 2024 तक चलेगा।

आम आदमी पार्टी ने विस चुनाव की शुरू की तैयारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी दिल्ली विधानसभा चुनाव 2025 की तैयारियों में जुट गई है। आम आदमी पार्टी ने आज पीएसी की बैठक बुलाई गई है। पार्टी आज उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी कर दी है। जानकारी के मुताबिक, आम आदमी पार्टी की सर्वोच्च फैसले लेने वाली संस्था पीएसी की बैठक आज हो रही है।

» पहली सूची जारी की 11 उम्मीदवारों के नाम शामिल

पीएसी की बैठक में दिल्ली विधानसभा 2025 चुनावों के लिए उम्मीदवारों के नामों पर चर्चा हुई। बैठक में आप के दिग्गज नेताओं ने आगामी दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए उम्मीदवारों के नामों पर चर्चा की। छतरपुर से ब्रह्मा सिंह तंवर चुनाव लड़ेंगे, किराड़ी से अनिल झा आप उम्मीदवार होंगे,विश्वास नगर से दीपक सिंघला चुनाव लड़ेंगे, रोहतास नगर से सरिता सिंह आप उम्मीदवार होंगी,लक्ष्मी नगर से बीबी त्यागी आप उम्मीदवार होंगे,बदरपुर से राम सिंह नेता उम्मीदवार होंगे,सीलमपुर से जुबैर चौधरी आप उम्मीदवार होंगे,सीमापुरी से वीर सिंह धींगान चुनाव लड़ेंगे,घोंडा से गौरव शर्मा चुनाव लड़ेंगे, करावल नगर से मनोज त्यागी आप प्रत्याशी होंगे। मटियाला से सोमेश शौकीन आप के उम्मीदवार होंगे। बता दें कि अगले साल फरवरी में दिल्ली विधानसभा की 70 सीटों पर चुनाव होना है। जिसकी तैयारियों को लेकर आम आदमी पार्टी पूरे जोश में काम कर रही है। दिल्ली विधानसभा चुनाव की तारीखों का एलान अभी हुआ नहीं है।

हिंदू-मुस्लिम, के बाद अब क्रिश्चयन कम्युनिटी में उबाल

चर्च बोर्ड के सुझाव आने के बाद बढ़ रहा है बवाल

वक्फ बोर्ड संशोधन बिल का मुस्लिम कर रहे हैं विरोध

» हिंदू चाहते है कि जितनी जल्द हो बने सनातन बोर्ड

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारत के संविधान ने देश की व्यवस्था को धर्मनिरपेक्ष तरीके से चलाने की बात लिखी है। यहां सारे धर्मों को अपने हिसाब से रहने, बोलने, खाने व हर काम करने की आजादी है। पर पिछले दस सालों में इस व्यवस्था पर आंच आना शुरू हो गई है। सत्ता में बैठे नेता नहीं चाहते कि भारत संविधान के मूल सिद्धांत से चले इसलिए वह समय-समय पर धर्म के नाम पर लोगों को बरगलाते रहते हैं।

जहां वक्फ बोर्ड में संशोधन बिल को लेकर बवाल मचा है और सनातन बोर्ड की मांग हिंदू संगठनों द्वारा की जा रही वहीं अब क्रिश्चियनों के लिए चर्च बोर्ड बनाने की बात कोर्ट के माध्यम से आने पर ईसाई समुदाय में उबाल आ गया है। हालांकि क्रिश्चियन कह रहे हैं कि उनकी संपत्ती पर सरकार की नजर पहले से ही हैं। बता दें कि इस मामले में अदालत ने कहा था, हिंदुओं और मुसलमानों के धर्म की बंदोबस्ती वैधानिक नियमों के अधीन हैं। इन संस्थानों के मामलों पर एकमात्र निगरानी सिविल प्रक्रिया संहिता की धारा 92 के तहत मुकदमे के माध्यम से होती है। संस्थानों को अधिक जवाबदेह बनाने के लिए मामलों को विनियमित करने के लिए एक वैधानिक बोर्ड होना चाहिए। इसके बाद अदालत ने गृह मंत्रालय और तमिलनाडु सरकार को भी इस मामले में पक्षकार बनाया है।

क्रिश्चियन मामलों की सुनवाई पर कोर्ट की टिप्पणी

मद्रास हाई कोर्ट के हाल ही में चर्च की संपत्तियों को वक्फ बोर्ड के समान एक वैधानिक निकाय द्वारा शासित किए जाने की टिप्पणी पर बवाल मच गया है। क्रिश्चियन कम्युनिटी के लिए बनी संस्थाओं में उबाल है और वह अपना विरोध दर्ज करा रहे हैं। लोगों का कहना है कि सभी संपत्तियां पहले से ही सरकार के नियंत्रण में हैं, तो सरकार या मद्रास उच्च न्यायालय ने यह टिप्पणी क्यों की कि इन्हें एक अलग बोर्ड के अधीन रखा जाना चाहिए? ये सभी संपत्तियां पहले से ही सरकारी व्यवस्था के तहत चलाई जा रही हैं। इस पूरे प्रकरण पर काउंसिल ऑफ चर्च इन इंडिया (एनसीसीआई) और कैथोलिक बिशप्स कॉन्फ्रेंस ऑफ इंडिया (सीबीसीआई) ने असंतोष व्यक्त किया है।

ज्यादातर संस्थाएं सरकार के अधीन स्वतंत्र रूप से पंजीकृत

हमारी ज्यादातर संस्थाएं सरकार के अधीन स्वतंत्र रूप से पंजीकृत हैं। मेरा सवाल यह है कि अगर ये सभी संपत्तियां पहले से ही सरकार के नियंत्रण में हैं, तो सरकार या मद्रास उच्च न्यायालय ने यह टिप्पणी क्यों की कि इन्हें एक अलग बोर्ड के अधीन रखा जाना चाहिए? ये सभी संपत्तियां पहले से ही सरकारी व्यवस्था के तहत प्रबंधित की जा रही हैं। यह कोई गैर-सरकारी तरीका नहीं है। हालांकि ये चर्च की संपत्तियां हैं, लेकिन इनका प्रबंधन या तो ट्रस्ट के तहत किया जा रहा है या फिर सोसायटी या कंपनी अधिनियम के तहत। ये सभी सरकार के अधीन हैं। सरकार हमेशा इन पर नज़र रखती है। इसलिए जब भी सरकार कोई सवाल पूछती है, तो हम भी कई बार सरकार से संपत्तियों के बारे में सवाल पूछते हैं। जब भी सरकार हमसे सवाल पूछती है, तो हम अपने दस्तावेज़ जमा करने के लिए तैयार रहते हैं। इस तरह से सिस्टम काम कर रहा है। इसलिए मुझे नहीं लगता कि इन संपत्तियों की निगरानी के लिए किसी अलग बोर्ड या वैधानिक निकाय की जरूरत है, क्योंकि भारत एक धर्मनिरपेक्ष देश है।

वक्फ अमेंडमेंट बिल पर जेपीसी पर बरसे विपक्षी नेता

वक्फ (अमेंडमेंट) बिल पर संसद की जॉइंट पार्लियामेंट्री कमेटी की अबतक कई बैठके हो चुकी हैं पर ऐसा कोई बैठक नहीं जिसमें बवाल नहीं। विपक्षी नेताओं ने तो अध्यक्ष जगदम्बिका पाल पर मनमानी करने का आरोप लगाकर लोकसभा अध्यक्ष से शिकायत तक की। कई मुस्लिम नेताओं ने तो यहां तक कहा कि इस बिल के बहाने सरकार मुस्लिमों की संपत्ति छीनने का प्रयास कर रही है। समय-समय पर भारत सरकार के अल्पसंख्यक और कानून मंत्रालयों के अधिकारियों ने मसौदा पर अपनी प्रेजेंटेशन पेश की। भाजपा सदस्य जगदंबिका पाल की अध्यक्षता वाली 31 सदस्यीय समिति को लोकसभा ने बिल की जांच करने का काम सौंपा गया है, जिस पर विपक्षी दलों और मुस्लिम संगठनों ने विरोध जताया है। मंत्रालय के अधिकारियों ने कहा कि सदस्य इस मामले में कुछ भी सुनने के मूड में नहीं थे, वहीं, सदस्यों की तरफ से यह आरोप लगाया गया कि अधिकारी बिना तैयारी के प्रेजेंटेशन देने पहुंच थे।कई सदस्य अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय के प्रेजेंटेशन से असंतुष्ट दिखे। विपक्ष के सदस्यों ने बैठक में इस मुद्दे को उठाते हुए कहा कि मंत्रालय के प्रतिनिधि खुद तैयारी से नहीं आए है और बातों को समझा नही पा रहे थे। जमीयत उलेमा ए हिंद के चीफ मौलाना अरशद मदनी सहित अन्य पक्षधर मौलाना से पत्रकारों ने पूछा कि क्या वक्फ बोर्ड पर कांग्रेस और अन्य दलों के विरोध से आप संतुष्ट हैं? इसपर उन्होंने कहा कि हम ये समझ रहे हैं वो अपने एजेंडे के उपर कायम हैं, जिसमें उन्होंने कहा कि वो हर धर्म के लोगों को अपने मजहब पर चलने की आजादी देंगे।

मजहब पर चलने की आजादी मिले

अरशद मदनी से पूछा गया कि क्या उन्हें सेकुलर दलों से रिस्पॉन्स मिला है? इसपर उन्होंने कहा कि मैंने कभी नहीं कहा मुसलमानो के वोट से वो जीते हैं या मुस्लिम एकता की वजह से जीते हैं, सेकुलर दलों की एकता ने ये ऐलान किया था कि हर धर्म के लोगों को उनके मजहब पर चलने की आजादी देंगे, ये हर अल्पसंख्यक को कुबूल है और हमें भी कुबूल है.,उनसे आगे पूछा गया कि क्या जेपीसी की पहली मीटिंग पर आपने कोई डॉक्यूमेंट तैयार किया है? इसपर मौलाना खालिद सैफुल्लाह रहमानी ने कहा, 'हमें इस मीटिंग के लिए इनवाइट नहीं मिला है, हमने इसके लिए डॉक्यूमेंट तैयार किया है, हालांकि हमारा मानना है कि इस बिल को वापस किया जाना चाहिए, नेहरू और गांधी जी से संविधान को सेकुलर होगा, हमने कुर्बानियां दी हैं और पूछा है कि आप बताइए आजादी के बाद मुल्क का दस्तूर कैसा होगा।

धर्म संसद में शामिल साधु-संतों के बिगड़े बोल

दिल्ली में आयोजित सनातन धर्म संसद में देश भर के तमाम साधु संत, धर्माचार्य और कथावाचक जुड़े और देश सनातन बोर्ड बनाने की मांग को लेकर अपनी बातें रखी। इसमें कुछ ने ऐसे बयान दिये जिससे कि बवाल मच गया है। कथावाचक देवकीनंदन के आह्वान पर इस सनातन धर्म संसद का आयोजन किया गया जिसमें तीन प्रमुख मुद्दे थे, पहला देश में सनातन बोर्ड बनाया जाए। दूसरा कृष्ण जन्मभूमि को मुक्त कराया जाए जबकि तीसरा तिरुपति बालाजी के मंदिर में पशुओं की चर्बी मिले प्रसाद का विरोध भी शामिल थी। धर्म संसद की शुरुआत में देवकीनंदन ने नारा दिया कि अभी नहीं तो कभी नहीं और बहुत सह लिया अब न सहेंगे, हिन्दू हक लेकर रहेंगे और तिरुपति मंदिर के प्रसाद में मिलावट ना हो, गुरुकुल परंपराओं को पुनर्जीवित करने, धर्म परिवर्तन रोकने के लिए सनातन बोर्ड की जरूरत बताई, इसके बाद अलग अलग धर्मगुरुओं ने ना सिर्फ सनातन बोर्ड को लेकर बल्कि महाराष्ट्र चुनाव से लेकर लव जिहाद और धर्मांतरण से लेकर कन्हैयालाल हत्याकांड पर भी अपनी बात रखी। अभय महाराज ने आर्थिक बहिष्कार की बात करते हुए कहा कि एक तरफ वो लोग हैं जो धार्मिक शिक्षा के नाम पर हिंसा करना सीखता है और एक हम हैं जो अभी भी सनातन बोर्ड की मांग कर रहें हैं, समय आ गया है कि विधर्मियों के साथ व्यापार और व्यवहार सदा के लिए बंद कर देना चाहिए। वहीं, राजू दास महाराज ने चुनावों में वोट जिहाद का मुद्दा उठाते हुए कहा कि अभी तक तो मूत जिहाद चल रहा था, थूक जिहाद चल रहा था, लव जिहाद चल रहा था, धर्मांतरण जिहाद चल रहा था, लेकिन अब तो वोट जिहाद भी चलने लगा। इसलिए हिंदुओं जग जाओ, कश्मीर से तो भगा दिए गए हो, बांग्लादेश से भगाए गए हो। अगर भारत से भगा दिए जाओगे तो कहां जाओगे? बताओ कहां जाओगे? इसलिए हिंदू अगर सेकुलर हो जाएगा तो कैसे चलेगा? इसीलिए अभी भी समय है सुधार जाओ, इसलिए कहता हूं कि अभी नहीं तो कभी नहीं। मध्य प्रदेश के प्रसिद्ध कथावाचक प्रदीप मिश्रा ने धर्म संसद में आए लोगों से पूछा कि कब तक साधु संत आपको जगाते रहेंगे? आप खुद कब जागोगे? आज सनातनियों के घर में कितनी तलवारें, डंडे, फरसे, बरछी होंगी? 2 या 3 होंगी लेकिन मैं कहता हूं कि जितने घर में सदस्य हैं उतने ही औजार भी होना चाहिए।

क्रिश्चियन संस्थाओं की भारत के 22 राज्यों में है प्रापर्टी

चर्च ऑफ नार्थ इंडिया के महासचिव डॉ. डीजे अजीत कुमार के मुताबिक भारत में 22 राज्यों में हमारी संपत्तियां हैं। साथ ही अंडमान निकोबार की 28 जगहों पर भी हमारी संपत्तियां हैं। हमारी अधिकांश संपत्तियां शैक्षणिक संस्थानों, अस्पतालों या इसी तरह के संस्थानों के लिए हैं, जो समाज के विकास और कल्याण पर अधिक ध्यान केंद्रित करते हैं। यदि आप भारत के इतिहास को देखें, तो आप आसानी से समझ सकते हैं कि भारत के उत्तरी हिस्सों में, शैक्षणिक और स्वास्थ्य देखभाल संस्थानों के अग्रदूत ईसाई मिशनरी थे। ये मिशनरी लंबे समय से एक साथ काम कर रही थी, विभिन्न परंपराओं से आती थी। सीएनआई, चर्च ऑफ नॉर्थ इंडिया, छह अलग-अलग चर्चों और संगठनों का एक संयुक्त रूप है। ये सभी संगठन, एजेंसियां के कार्य देश के सामाजिक विकास के लिए शुरू किए गए थे। अब बात करते हैं संपत्तियों की तो ये सभी संपत्तियां भारत के अलग-अलग हिस्सों में ठीक से हैं। इन संपत्तियों के ठीक से दस्तावेज बनाए जाते हैं, और समय-समय पर कर भी चुकाए जाते हैं। इनका कानूनी रूप से म्यूटेशन भी होता है। और इनका समय-समय पर रखरखाव भी किया जाता है। हमारे पास कई अलग-अलग निकाय हैं, जैसे चर्च ऑफ़ नॉर्थ इंडिया ट्रस्ट एसोसिएशन (सीएनआईटीए), यूनाइटेड चर्च ऑफ नॉर्थ इंडिया ट्रस्ट (यूसीएनआईटीए), जिसका मुंबई में कार्यालय है, इंडियन चर्च ट्रस्ट (आईसीटी)। ये सभी निकाय पंजीकृत हैं और हम इन संपत्तियों का प्रबंधन करते हैं। हमारे पास अलग-अलग कार्यालय और कर्मचारी हैं।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

यूपी में उड़ी संविधान व लोकतंत्र की धज्जियां!

यूपी में कई जगहों पर वोट डालने से रोकने की खबरें हैरान करने वाली हैं। सबसे बड़ी विडंबना ये है ज्यादातर मुस्लिम वोटरों को वोट डालने से वंचित करने का प्रयास किया गया। ये खबरें भारतीय संविधान व लोकतांत्रिक परंपराओं को मिट्टी में मिलाने जैसा है। हालांकि विपक्ष द्वारा इस मुद्दे को जोर-शोर से उठाने पर चुनाव आयोग ने संज्ञान लेकर कई कर्मचारियों को हटा दिया है। दरअसल, यूपी के कुंदरकी, मीरापुर, शीशामऊ से ऐसा देखने को मिला कि मुस्लिम वोटरों खासकर महिलाओं की चेकिंग के नाम पर पुलिसकर्मियों द्वारा बदसलूकी की गई। इसमें पुलिस वाले आईडी कार्ड मांग रहे थे जो कतई गलत है। ये आईडी सिर्फ निर्वाचन कर्मी ही देख सकता है। कुल मिलाकर सत्ता में बैठी भाजपा के इशारे पर ऐसा हो रहा है तो यह गलत परिपाटी है क्योंकि वोट देना सबका मौलिक अधिकार है। इस पर चुनाव आयोग को गंभीरता से सोचना चाहिए। अगर इस तरह की खबरें सच हैं तो आयोग को मतदान फिर से करवाने का विचार करना चाहिए। वहीं उत्तर प्रदेश उपचुनाव के बीच चुनाव आयोग ने बड़ी कार्रवाई की है।

सूत्रों के अनुसार चुनाव आयोग ने मतदाताओं की जांच करने और उन्हें मतदान करने से रोकने के दिशा-निर्देशों का उल्लंघन करने वाले पुलिसकर्मियों को निलंबित करने का आदेश दिया। मिली जानकारी के मुताबिक, कानपुर में दो, मुजफ्फरनगर दो और मुरादाबाद में एक पुलिसवाले को सस्पेंड किया गया है। मुरादाबाद में तीन को ड्यूटी से हटाया गया है। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने उत्तर प्रदेश चुनाव अधिकारियों को निष्पक्ष और सुचारू मतदान प्रक्रिया सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। दरअसल, समाजवादी पार्टी ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट पर यूपी उपचुनाव के दौरान कुछ समुदायों को मतदान करने से रोकने की शिकायत की थी। सपा प्रमुख अखिलेश यादव द्वारा एक्स पर एक वीडियो साझा किया गया है, जिसमें एक पुलिस कर्मी मतदाता की पर्ची फाड़ता दिख रहा है। कानपुर के एसआई अरुण सिंह और राकेश नादर निलंबित किए गए हैं। इनका मतदाता को वापस करने का वीडियो वायरल हुआ था। वोट न डालने देने के मामले का आयोग ने संज्ञान लिया है। वहीं, मीरापुर विधानसभा सीट पर उपचुनाव के दौरान चुनाव आयोग द्वारा जारी गाइडलाइंस का अनुपालन न करने पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मुजफ्फरनगर अभिषेक सिंह ने उप निरीक्षकों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। मतदाताओं की पहचान पुलिस बल नहीं करता है। पुलिस बल का मुख्य उद्देश्य मतदान के दिन शांति-व्यवस्था स्थापित किया जाना है। कुल मिलाकर आयोग अपने दावे तो कर रही है कि वह निष्पक्ष चुनाव करवा रहा है पर जो वीडियो आ रहें वह सच खुदबखुद सामने ला रहे हैं।

“ दरअसल, यूपी के कुंदरकी, मीरापुर, शीशामऊ से ऐसा देखने को मिला कि मुस्लिम वोटरों खासकर महिलाओं की चेकिंग के नाम पर पुलिसकर्मियों द्वारा बदसलूकी की गई। इसमें पुलिस वाले आईडी कार्ड मांग रहे थे जो कतई गलत है। ये आईडी सिर्फ निर्वाचन कर्मी ही देख सकता है। कुल मिलाकर सत्ता में बैठी भाजपा के इशारे पर ऐसा हो रहा है तो यह गलत परिपाटी है क्योंकि वोट देना सबका मौलिक अधिकार है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

चुनाव आयोग को सजग सतर्क रहने की जरूरत

के.पी. सिंह

चुनाव प्रचार के दौरान भाषाई स्तर, नेताओं की भंगिमा और राजनीतिक जुमलों के प्रयोग ने मतदाताओं में चिन्ता पैदा की है। इसके साथ ही, भारतीय चुनाव आयोग की कथित चुप्पी ने यह धारणा पैदा की है कि या तो आयोग के पास आवश्यक शक्तियां और संसाधन नहीं हैं, या फिर उसकी स्वतंत्रता को गंभीर खतरा है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 324 के तहत, चुनाव आयोग को संसद, राज्य विधानसभाओं, और राष्ट्रपति-उपराष्ट्रपति चुनावों का नियंत्रण और निर्देशन सौंपा गया है। आयोग की स्वतंत्रता सुनिश्चित करने के लिए यह प्रावधान किया गया है कि मुख्य चुनाव आयुक्त को सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश की तरह हटाया नहीं जा सकता। राष्ट्रपति और राज्यपाल को चुनाव आयोग के लिए आवश्यक कर्मचारियों की व्यवस्था करने का संवैधानिक उत्तरदायित्व सौंपा गया है। चुनाव प्रक्रिया के दौरान राज्य का पूरा चुनावी ढांचा चुनाव आयोग के नियंत्रण में होता है, और अनुच्छेद 329 के तहत चुनावी मामलों में अदालतों का हस्तक्षेप भी रोक दिया जाता है।

चुनाव आयोग को एक समान अवसर प्रदान करने वाला संवैधानिक निकाय माना गया था, लेकिन भारत में चुनावी प्रक्रिया असमान हो गई है। चुनाव लड़ने की लागत इतनी बढ़ गई है कि अधिकांश लोग इसके बारे में सोच भी नहीं सकते। कई जगहों पर वोट बिकते हैं, और आर्थिक रूप से सक्षम उम्मीदवार इसका लाभ उठाते हैं। काला धन चुनाव परिणामों को प्रभावित करने लगा है, जबकि चुनाव व्यय सीमा लागू करना आयोग के लिए मुश्किल हो गया है। इस स्थिति में भारतीय लोकतंत्र एक 'सीमित लोकतंत्र' बनकर रह गया है, जिसमें केवल अमीर या मजबूत राजनीतिक समर्थन वाले उम्मीदवार ही चुनाव जीतने में सक्षम हैं, और सामान्य नागरिक का प्रतिनिधि बनने का सपना अधूरा रह जाता है। चुनाव प्रचार के दौरान अभद्र भाषा का प्रयोग और चुनाव आयोग का सुसंगत दृष्टिकोण का अभाव समाज में शांति और व्यवस्था के लिए गंभीर चुनौती बन गया है।

राजनीतिक विरोधियों के खिलाफ भड़काऊ, अपमानजनक और आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल खुले तौर पर किया जा रहा है, और नेताओं की भंगिमाएं व जुमलेबाजी शालीनता की सभी सीमाएं पार कर रही हैं। वर्ष 2019 में उच्चतम न्यायालय ने चुनाव आयोग को नफरत फैलाने वाले भाषणों

के मामले में कार्रवाई नहीं करने पर फटकार लगाई थी, लेकिन आयोग ने असमंजस में यह कहा कि उसके पास इस मामले में कार्रवाई की शक्तियां सीमित हैं, जबकि ऐसा नहीं है। भारतीय न्याय संहिता 2023 में नफरत फैलाने वाले भाषणों को अपराध घोषित किया गया है, और जनप्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 123(3ए) इसे 'भ्रष्ट चुनावी आचरण' के रूप में परिभाषित कर प्रतिबंधित करती है। चुनाव की आदर्श आचार संहिता भी ऐसे आचरण को निषिद्ध करती है। चुनाव आयोग का यह तर्क कि उसके पास घृणात्मक भाषणों को रोकने की पर्याप्त शक्तियां नहीं हैं, सही नहीं है, क्योंकि उच्चतम न्यायालय ने 1995 में मुम्बई विधानसभा चुनाव के दौरान रमेश यशवन्त प्रभु मामले में घृणात्मक भाषण देने के लिए एक उम्मीदवार की उम्मीदवारी रद्द करने का आदेश दिया था। इसके अलावा, उच्चतम न्यायालय ने 2024 के लोकसभा चुनावों के दौरान नफरत फैलाने वाले भाषणों पर अंकुश लगाने के लिए चुनाव आयोग की शक्तियों को मजबूत करने की सिफारिश करने के लिए विधि आयोग को निर्देशित किया है। चुनाव के दौरान मतदाताओं को मुफ्त उपहार या आर्थिक लाभ देने और झूठे वादे करना रिश्वतखोरी के समान है, और जनप्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 123 के तहत इसे वर्जित किया गया है। हालांकि, चुनाव आयोग की जड़ता इस मामले में परेशान करने वाली है। वर्ष 2022 में, उच्चतम न्यायालय ने अपने 2013 के फैसले (सुब्रमण्यम बालाजी बनाम तमिलनाडु राज्य) पर पुनर्विचार के लिए तीन न्यायाधीशों की पीठ का गठन किया था, यह मामला अभी भी विचाराधीन है। शीर्ष अदालत ने करदाताओं के संगठनों को अपना पक्ष रखने के लिए नोटिस जारी किया है। सरकारी खजाने से मुफ्त सुविधाएं देना सत्तारूढ़ दल के लिए लाभकारी है, जो अन्य उम्मीदवारों के लिए पक्षपाती स्थिति उत्पन्न करता है।

विपक्षी दलों और उच्चतम न्यायालय के अधिवक्ताओं द्वारा चुनाव आयोग की निष्पक्षता और इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) की शुचिता पर उठाए गए सवाल चिंताजनक प्रवृत्ति को दर्शाते हैं। वे एलेन मस्क का हवाला देते हुए कहते हैं कि ईवीएम का इस्तेमाल बंद कर देना चाहिए, क्योंकि इन मशीनों को हैक किए जाने का जोखिम भले ही छोटा हो, लेकिन फिर भी वह अधिक है। ईवीएम के खिलाफ मुख्य आपत्ति 'ब्लैक बॉक्स सॉफ्टवेयर' के प्रयोग पर है, क्योंकि यह सॉफ्टवेयर इतना गुप्त होता है कि लोग और न्यायिक प्रणालियां इसकी अखंडता का मूल्यांकन नहीं कर सकतीं, जिससे संदेह और हेराफेरी के आरोप लगते हैं।

आव्रजन प्रतिबंधों से युवाओं के सपनों पर भी लगेगा ग्रहण

सुच्चा सिंह गिल

वर्ष 1990 के दशक के मध्य से भारत से विभिन्न देशों में जाकर काम करने वालों का प्रवासन बढ़ता चला गया, जिससे विदेशों में आप्रवासी भारतीयों की संख्या दुनियाभर में सबसे बड़ी बन गई। परिणामस्वरूप, भारत को मिलने वाली विदेशी मुद्रा में भी वृद्धि हुई और सर्वाधिक विदेशी धन प्राप्तकर्ताओं में से एक है। कनाडा की आव्रजन नीतियों में हुए हालिया बदलाव और संभवत: अमेरिका भी करेगा, का असर विशेष रूप से देश के उन राज्यों पर पड़ने की संभावना है, जहां से बड़ी संख्या में लोग वहां गए हुए हैं। इन सूबों में केरल, गुजरात, पंजाब और आंध्र प्रदेश शामिल हैं। भारत के उल्लेखनीय आर्थिक प्रदर्शन में उदारीकरण, निजीकरण और वैश्वीकरण (1991) की भूमिका का जिक्र कई अर्थशास्त्रियों और वैश्विक संस्थानों द्वारा किया गया है। इस प्रयास में, आर्थिक नीति में परिवर्तनों के साथ जी-7 राष्ट्रों के साथ भारत के संबंधों का पुनर्गठन भी हुआ, जी-20 में भारत की भागीदारी से इसमें और विस्तार हुआ। इसने भारत को भारी मात्रा में विदेशी पूंजी निवेश आकर्षित करने के अलावा घरेलू बचत की उच्च दर एवं निवेश पाने में मदद की।

पिछले साल दिल्ली में जी-20 की बैठक में चीन की 'बेल्ट एंड रोड पहल' परियोजना के विकल्प के रूप में मध्य-पूर्व देशों से होकर यूरोप तक रेल संपर्क बनाने का निर्णय लिया गया। बड़ी संख्या में शिक्षित भारतीय कुशल और अर्ध-कुशल श्रमिकों को भी विदेशों में नौकरियां मिली हुई हैं। इसके चलते विदेशों में आप्रवासी भारतीयों क तादाद बढ़ती चली गयी, हाल के वर्षों में, दुनियाभर के आप्रवासी कामगारों द्वारा अपने घर भेजे जाने वाले पैसे के मामले में भारतीयों का योगदान सबसे ऊपर और बड़ा है। यह आर्थिक नीति और देश के अंतर्राष्ट्रीय व्यवहार में संतुलन के कारण हुआ है। भारतीय आप्रवासियों की संख्या वर्ष 2000 में 79 लाख से बढ़कर 2023 में 1.89 करोड़ हो गई। वे अपने घर जो कमाई भेजते हैं, उससे परिवार की क्रय शक्ति बढ़ती है, साथ ही आवास और कारोबार में निवेश भी।

भारत की विदेशी मुद्रा आय में उनका योगदान उल्लेखनीय है। भारतीय आप्रवासियों की सबसे बड़ी गिनती अमेरिका में (44.60 लाख) है। अमेरिका के चार करीबी सहयोगी मुल्कों में यह गिनती- ऑस्ट्रेलिया (4.96 लाख), कनाडा (16.89 लाख), न्यूजीलैंड (2.40 लाख) और यूके (17.64 लाख) है जिससे इन सबमें कुल संख्या 86.49 लाख बनती है। यदि यूरोप गए आप्रवासियों को भी इसमें जोड़ दिया जाए तो यह गिनती 1.89 करोड़ हो जाती है। मध्य पूर्व के मुल्क एक और क्षेत्र हैं, जहां भारतीयों की उपस्थिति बहुत ज्यादा है। यूएई, सऊदी अरब, ओमान, कुवैत और कतर में 85.77 लाख भारतीय आप्रवासी हैं। इन दोनों क्षेत्रों की आव्रजन नीति में एक बड़ा अंतर है। जहां पश्चिमी देश आप्रवासियों को स्थायी रूप से बसने और उन्हें नागरिकता प्रदान करने की अनुमति देते हैं वहीं खाड़ी देशों में यह इजाजत नहीं है। लिहाजा आव्रजन के लिए पश्चिमी मुल्क पसंदीदा गंतव्य बन गए। 2023 में भारत को प्राप्त विदेशी मुद्रा प्रेषण में अमेरिका और उसके चार करीबी सहयोगियों का हिस्सा 35 प्रतिशत से अधिक रहा।

प्राप्त कुल 120 बिलियन डॉलर में अकेले अमेरिका का योगदान 23 प्रतिशत रहा, उसके बाद यूके (6.8 प्रतिशत), कनाडा (2.4 प्रतिशत), ऑस्ट्रेलिया (1.9 प्रतिशत) और न्यूजीलैंड (एक प्रतिशत से भी कम) का हिस्सा रहा। यूरोप समेत पश्चिमी राष्ट्रों, का संयुक्त योगदान खाड़ी देशों से कुछ अधिक है, जिनकी कुल विदेशी मुद्रा आमद में हिस्सेदारी 42 प्रतिशत है। इस प्रकार इन दोनों क्षेत्रों का संयुक्त योगदान 85 प्रतिशत से अधिक है। जिससे भारत को अपने भारी विदेशी व्यापार घाटे को पूरा करने में बड़े पैमाने पर मदद मिलती है। धन प्रेषण के राज्यवार आंकड़ों से पता चलता है कि सूची में केरल सबसे ऊपर है, उसके बाद महाराष्ट्र, कर्नाटक और तमिलनाडु आते हैं। विभिन्न देशों में बड़ी संख्या में पंजाबी आप्रवासियों के बावजूद, पंजाब अभी भी इन सूबों से पीछे है। यह इसलिए कि अधिकांश पंजाबी आप्रवासी यूके, कनाडा, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और अन्य देशों में केंद्रित हैं, जहां वे स्थायी रूप से बस गए हैं, लिहाजा समय के साथ उनके द्वारा घर भेजे जाने वाले धन का प्रवाह कम होता चला गया। चूंकि केरल के आप्रवासी ज्यादातर यूएई और अन्य अरब देशों में रहते हैं, जहां वे स्थायी रूप से नहीं बस सकते। जिसकी वजह से उनके द्वारा भेजा पैसा सबसे अधिक है।

अन्य देशों को आव्रजन भारत के शिक्षित और कुशल कर्मचारियों के बीच बेरोजगारी का बोझ कम करने में सहायक रहा है। भारत के आप्रवासी न केवल विदेशी मुद्रा आय का बहुत बड़ा स्रोत हैं, बल्कि विदेशों में भारतीय संस्कृति और सद्भावना को भी बढ़ावा देते हैं। वे विदेशों में परंपरागत वस्तुओं की मांग भी पैदा करते हैं। साल 1991 में उदारीकरण की नीति अपनाने के बाद, भारत अपनी घरेलू जरूरतों, अतिरिक्त उत्पाद एवं सेवाओं को विदेशों में निर्यात करने के अलावा अपने प्रशिक्षित कर्मचारियों के लिए रोजगार के मामले में भी विदेशी अर्थव्यवस्थाओं पर ज्यादा निर्भर होता चला गया। यही कारण है कि पश्चिमी देशों की आव्रजन नीतियों में बदलाव इसे गंभीर रूप से प्रभावित कर सकता है। कनाडा की आव्रजन नीति में हाल ही में कई बदलाव हुए हैं जैसे मल्टीपल-एंट्री विजिटर वीजा खत्म करना। एक अन्य महत्वपूर्ण बदलाव है, स्थायी निवास यानी पीआर प्रावधान को लेकर।

लौकी का रायता

पाचन तंत्र को रखेगा दुरुस्त

अचार, चटनी, पापड़ और रायता...ये हमारे भारतीय खानपान का सिर्फ स्वाद ही नहीं बढ़ाते, बल्कि पाचन तंत्र को भी दुरुस्त रखने में मददगार होते हैं खासतौर से रायता। रायता को कई सारी व्यंजनों के साथ साइड डिश के तौर पर सर्व किया जाता है। तहरी, पुलाव और बिरयानी तो बिना रायते के अधूरे हैं। वैसे तो सबसे पॉपुलर बूंदी का रायता होता है, लेकिन इसे और भी कई तरह की सब्जियों और फलों के साथ बनाया जा सकता है। अगर आप खानपान के जरिए वजन कम करने की सोच रहे हैं, तब तो रायते को जरूर अपनी डाइट का हिस्सा बनाएं। लौकी का रायता है कई मायनों में फायदेमंद। फाइबर और प्रोटीन से भरपूर लौकी का हर रूप में सेवन आपके शरीर को लाभ ही पहुंचाता है।

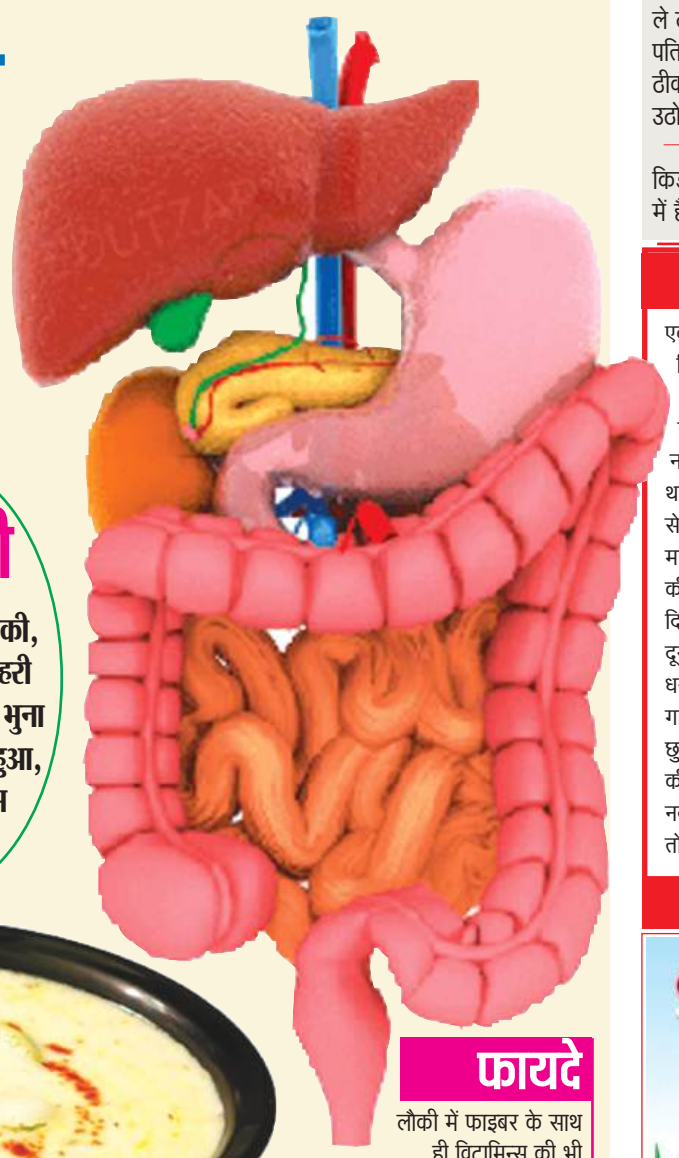

सामग्री

कद्दूकस की हुई लौकी, दही, बारीक कटी हरी मिर्च, काला नमक, भुना जीरा दरदरा पीसा हुआ, पानी और आइस क्यूब्स।

फायदे

लौकी में फाइबर के साथ ही विटामिन्स की भी अच्छी-खासी मात्रा मौजूद होती है, जो हमारे शरीर के कई फंक्शन्स के लिए जरूरी है। लौकी में पानी की भी काफी मात्रा होती है, जो बॉडी को हाइड्रेट रखती है। फाइबर की मौजूदगी की वजह से पेट लंबे समय तक फुल रहता है जिससे ओवरइटिंग से बचा जा सकता है।

विधि

कद्दूकस की हुई लौकी को पानी में डालकर कम से कम 2 से 3 मिनट तक उबाल लें। पानी से निकालकर थोड़ी देर के लिए इसे आइस क्यूब यानी बर्फ वाली पानी में डाल दें। एक दूसरे बाउल में दही, काला नमक, बारीक कटी हरी मिर्च और भुना हुआ जीरा डालकर अच्छी तरह सारी चीज़ों को मिक्स कर लें। अब इसमें आइस क्यूब से लौकी निकालकर डाल दें और अच्छी तरह मिला लें। ऊपर से हरी धनिया की पत्ती इच्छानुसार डालकर सर्व करें।

चना दाल कबाब हेल्थ के लिए फायदेमंद

चना दाल हमारे भारतीय खानपान का जरूरी हिस्सा है। इसका इस्तेमाल दाल के अलावा सब्जी के तौर पर भी किया जाता है। जिसमें लौकी- चना दाल की सब्जी सबसे ज्यादा मशहूर है। इसके बाद इससे तरह-तरह की मिठाइयां भी बनाई जाती हैं लेकिन एक और तरीका है, जिसमें आप इस दाल का इस्तेमाल कर सकते हैं और वो है कबाब। जी हां, चने की दाल से आप टेस्टी कबाब भी तैयार कर सकते हैं। चने की दाल कई तरह के पोषक तत्वों से भरपूर होती है। इसे खाने से शरीर को ताकत मिलती है। पेट लंबे समय तक भरा हुआ महसूस होता है, जिससे वजन कम करना आसान होता है। इसके अलावा ये दाल हार्ट हेल्थ के लिए भी फायदेमंद होती है।

सामग्री

चना दाल- 1 कप, पालक- 2 कप (बारीक कटे हुए), चाट मसाला- 1 चम्मच, अदरक- 1 चम्मच (कसा हुआ), लहसुन- 2 से 3 कलियां (बारीक कटी हुई), प्याज- 1 छोटा (बारीक कटा हुआ), हरी धनिया- 1/2 कप (बारीक कटी हुई), हरी मिर्च- 2 (बारीक कटी हुई), चावल का आटा-1 कप, गरम मसाला- 1/2 चम्मच, काली मिर्च पाउडर- 1/4 चम्मच, हल्दी- 1/4 चम्मच. स्वादानुसार नमक, तलने के लिए सरसों का तेल।

विधि

चना दाल को लगभग 1 घंटे के लिए पानी में भिगोकर रख दें। इसके बाद प्रेशर कुकर में पानी से निकालकर चना दाल डालें। उसमें अदरक, लहसुन, हल्दी और एक कप पानी डालकर, लगभग 3 से 4 सीटी आने तक पकाएं। जब यह अच्छी तरह से पक जाए, तो बाहर निकालकर ठंडा होने दें। इसके बाद इसे ब्लेंडर में डालकर स्मूद पेस्ट तैयार बना लें। इस पेस्ट को किसी बाउल में डालें। अब बारी है इसमें प्याज, हरी मिर्च, चाट मसाला, गरम मसाला, काली मिर्च पाउडर, धनिया की पत्तियां, स्वादानुसार नमक, थोड़ा सा चावल का आटा डालकर मिलाने की। एक प्लेट में अलग से चावल का आटा निकाल कर रख लें। दाल वाले मिश्रण से मनचाहे शेप के कबाब बनाएं। मिश्रण हाथों में न चिपके इसके लिए हाथों में पानी या तेल लगा सकते हैं। गैस पर कड़ाही चढ़ाएं और उसमें तेल डालें। तेल गर्म होने पर कबाब के दोनों ओर चावल का आटा कोट करें और तेल में तल लें। पसंदीदा चटनी के साथ सर्व करें।

हंसना मना है

पत्नी- ये लो चाय के साथ कॉल्पोल खालो। पति- मुझे बुखार नहीं है। पत्नी- तो डाइजीन ले लो। पति- मुझे गैस भी नहीं है। पत्नी- तो फिर पुदीनहरा ले लो। पति- मेरा पेट भी ठीक है। पत्नी- लो कॉम्बिफ्लेम ही ले लो, हाथ-पैर दुखना बंद हो जाएगा। पति- अरे कमाल करती हो, मैं एकदम ठीक हूं, तंदुरुस्त हूं। पत्नी- तो फटाफट उठो, सफाई के साथ बहुत काम करना है।

किडनैपर - तुम्हारा बेटा अब हमारे कब्जे में है, मां- बात करवाना जरा उससे, किडनैपर ने बेटे को फोन दिया, मां- तू वहां क्या कर रहा है, अब धनिया लाके कौन देगा मुझे।

एक बाबा एक शराबी से- इतना दारू पिओगे तो मरने के बाद नर्क में जाओगे। शराबी- जो दारू बेच रहा है, उसका क्या होगा? बाबा- वो भी नर्क में जाएगा। शराबी- जो शराब की दुकान के सामने नमकीन बेचता है, बाबा- उसको भी नर्क में ही जाना पड़ेगा। शराबी- फिर क्या दिक्कत है, नर्क ही ठीक है मेरे लिए।

कहानी

मूर्ख साधू और ठग

एक बार की बात है किसी गांव में एक साधु बाबा रहा करते थे। पूरे गांव में वह अकेले साधु थे, जिन्हें पूरे गांव से कुछ न कुछ दान में मिलता रहता था। दान के लालच में उन्होंने गांव में किसी दूसरे साधू को नहीं रहने दिया और अगर कोई आ जाता था, तो उन्हें किसी भी प्रकार से गांव से भगा देते थे। इस प्रकार उनके पास बहुत सारा धन इकट्ठा हो गया था। वहीं, एक ठग की नजर कई दिनों से साधु बाबा के धन पर थी। वह किसी भी प्रकार से उस धन को हड़पना चाहता था। उसने योजना बनाई और एक विद्यार्थी का रूप बनाकर साधु के पास पहुंच गया। उसने साधु से अपना शिष्य बनाने का आग्रह किया। पहले तो साधु ने मना किया, लेकिन फिर थोड़ी देर बाद मान गए और ठग को अपना शिष्य बना लिया। ठग साधु के साथ ही मंदिर में रहने लगा और साधु की सेवा के साथ-साथ मंदिर की देखभाल भी करने लगा। ठग की सेवा ने साधु को खुश कर दिया, लेकिन फिर भी वह ठग पर पूरी तरह विश्वास नहीं कर पाया। एक दिन साधु को किसी दूसरे गांव से निमंत्रण आया और वह शिष्य के साथ जाने के लिए तैयार हो गया। साधु ने अपने धन को भी अपनी पोटली में बांध लिया। रास्ते में उन्हें एक नदी मिली। साधु ने सोचा कि क्यों न गांव में प्रवेश करने के पहले नदी में स्नान कर लिया जाए। साधु ने अपने धन को एक कंबल में छुपाकर रख दिया और ठग से उसकी देखभाल करने का बोलकर नदी की ओर चले गए। ठग की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। उसे जिस मौके की तलाश थी, वो मिल गया। जैसे ही साधु ने नदी में डुबकी लगाई ठग सारा सामान लेकर भाग खड़ा हुआ। जैसे ही साधु वापस आया, उसे न तो शिष्य मिला और न ही अपना सामान। साधु ने ये सब देखकर अपना सिर पकड़ लिया।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

शेयर मार्केट, म्युचुअल फंड इत्यादि से लाभ होगा। वाणी पर नियंत्रण रखें। जल्दबाजी न करें। लेनदारी वसूल करने के प्रयास सफल रहेंगे। कारोबार में वृद्धि होगी।

वृषभ

नई आर्थिक नीति बन सकती है। कार्यस्थल पर सुधार व परिवर्तन से भविष्य में लाभ होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पार्टनरों का सहयोग कार्य में गति प्रदान करेगा।

मिथुन

लाभ के अवसर हाथ आएंगे। भाग्य का साथ मिलेगा। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। नौकरी में उन्नति होगी। निवेशादि करने का मन बनेगा। शत्रु सक्रिय रहेंगे।

कर्क

धनागम होगा। प्रतिद्वंद्वी अपना रास्ता छोड़ देंगे। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। किसी भी प्रकार के झगड़ों में न पड़ें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें।

सिंह

रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। सभी ओर से खुश खबरें प्राप्त होंगी। पारिवारिक चिंता रहेगी। अज्ञात भय सताएगा।

कन्या

ऐश्वर्य के साधनों पर व्यय होगा। आय के साधनों में वृद्धि होगी। भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा।

तुला

लाभ के अवसर हाथ आएंगे। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में संतोष रहेगा। पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा।

वृश्चिक

किसी अपरिचित व्यक्ति पर अतिविश्वास न करें। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय बनी रहेगी। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। पुराना रोग उभर सकता है।

धनु

व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। प्रयास सफल रहेंगे। पराक्रम बढ़ेगा। भाग्य का साथ मिलेगा। नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे। शेयर मार्केट मनोनुकूल लाभ देंगे।

मकर

घर में अतिथियों का आगमन होगा। शुभ समाचार प्राप्त होंगे। नौकरी में अधिकार मिल सकते हैं। शेयर मार्केट से लाभ होगा। बाहर जाने का मन बनेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कुम्भ

अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। सट्टे व लॉटरी से दूर रहें। नौकरी में प्रमोशन मिल सकता है। सुख के साधनों पर व्यय होगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी।

मीन

व्यवसाय ठीक चलेगा। आय बनी रहेगी। शारीरिक कष्ट से बाधा संभव है। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। वाणी पर नियंत्रण रखें। हल्की हंसी-मजाक न करें।

बॉलीवुड | मन की बात

आर. माधवन ने कंगुआ की खुलकर की तारीफ

सूर्या की 14 नवंबर को रिलीज हुई फिल्म कंगुवा को दर्शकों से मिली-जुली प्रतिक्रियाएं मिली हैं। सकारात्मक प्रतिक्रियाओं के बीच शिवा निर्देशित इस फिल्म को नकारात्मक प्रतिक्रियाएं भी मिली हैं। फिल्म के निर्माताओं को ट्रोल भी किया गया। ये नकारात्मक प्रतिक्रियाएं फिल्म में शोरगुल, अन्य अभिनेताओं को कम स्क्रीन समय, कथानक में गहराई की कमी और बहुत कुछ की शिकायतों पर आधारित हैं। इन सबके बीच आर माधवन ने फिल्म को देखने के बाद इसकी समीक्षा साझा करते हुए फिल्म की बहुत प्रशंसा की। कंगुवा के पोस्टर के साथ अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक पोस्ट साझा करते हुए आर. माधवन ने बताया कि उन्होंने हाल ही में एक सिनेमाघर में फिल्म देखी और सूर्या को अपना भाई बताया। साथ ही उन्होंने बताया कि फिल्म में सूर्या के प्रयासों और कड़ी मेहनत से वे पूरी तरह प्रभावित हुए। फिल्म की पूरी टीम द्वारा किए गए इस प्रयास को कम नहीं बताते हुए आर माधवन ने लिखा, कल रात कंगुवा को बड़े पर्दे पर देखा और अपने प्यारे भाई के प्रयास और प्रतिबद्धता से दंग रह गया..उनका पूर्ण समर्पण और बिना किसी समझौते के उत्साह फॉलो करने जैसा है और मैं चाहता हूं कि मैं उसका आधा भी कर सकूं, जो सूर्या ने किया है। पूरी कास्ट क्रू द्वारा किया गया एक हरक्यूलिस प्रयास। निश्चित रूप से एक नाटकीय पल है। सूर्या अभिनीत फिल्म के प्रति नकारात्मक समीक्षाओं के मद्देनजर अभिनेता की पत्नी ज्योतिका ने मामले को अपने हाथों में लिया और हाल ही में अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक पोस्ट साझा किया। अभिनेत्री ने लोगों से फिल्म के प्रति आंख मूंदकर नफरत न फैलाने का आग्रह किया, क्योंकि यह फिल्म बहुत से लोगों की कड़ी मेहनत का नतीजा है। इसके विपरीत, उन्होंने अपने पति की फिल्म और अभिनय पर गर्व किया और इस बात पर बात की कि कैसे फिल्म के कई अच्छे हिस्सों को नजरअंदाज किया जा रहा है, इसे फिल्म के खिलाफ योजनाबद्ध नकारात्मक प्रचार कहा।

सुशांत के साथ शादी की खबरों पर मीनाक्षी चौधरी ने तोड़ी चुप्पी

मीनाक्षी चौधरी साउथ की बेहतरीन अभिनेत्रियों में से एक हैं। वर्तमान में अभिनेत्री के पास कई फिल्में हैं। हाल ही में उनकी फिल्म मटका रिलीज हुई, जिसमें वे साउथ अभिनेता वरुण तेज के साथ नजर आईं। हालांकि, इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर उम्मीद के मुकाबले प्रदर्शन नहीं किया। वहीं, अब अभिनेत्री अपनी अगली फिल्मों की तैयारियों में व्यस्त हो गई हैं। इस बीच अभिनेत्री की शादी की चर्चाओं ने भी तूल पकड़ा। वहीं, अब खुद मीनाक्षी ने अपनी शादी की खबरों पर चुप्पी तोड़ी है।

दरअसल, पिछले कुछ हफ्तों में सोशल मीडिया पर एक अफवाह उड़ी कि नागार्जुन के भतीजे सुशांत मीनाक्षी चौधरी से शादी करने वाले हैं। इस जोड़ी ने फिल्म इचता वाहनमुलु निलुपराधु में काम किया था। यह अफवाह क्यों और कैसे उड़ी, इसका कोई कारण नहीं पता, लेकिन यह वायरल हो गई। दावा किया गया कि वे नागार्जुन के भतीजे सुशांत को डेट कर रही हैं और अब शादी करने वाली हैं।

मीनाक्षी चौधरी की इस साल की छठी फिल्म मैकेनिक रॉकी जल्द ही रिलीज होने वाली हैं। अभिनेत्री फिल्म के प्रचार में जुटी हुई हैं। हालांकि, कल रात मैकेनिक रॉकी के प्री-रिलीज इवेंट के दौरान मीनाक्षी ने इस बात को साफ कर दिया। उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा कि उन्होंने भी ये अफवाहें सुनी हैं और उनका सख्त रूप से खंडन किया है। साथ ही उन्होंने कुछ फिल्मों का हिस्सा होने की खबरों का भी खंडन किया। मीनाक्षी ने आखिरकार स्पष्ट किया कि वह शादी नहीं कर रही हैं। मीनाक्षी ने कहा, यह एक अफवाह है और मैं शादी नहीं कर रही हूं। मुझे नहीं पता कि ये अफवाहें क्यों उड़ती हैं। एक दिन, मैंने पढ़ा कि मैं सालार का हिस्सा हूं और दूसरे दिन, मैंने पढ़ा कि मैं विश्वंभरा का हिस्सा हूं। अभिनेत्री ने यह भी पुष्टि की कि वह फिलहाल सिंगल हैं।

मीनाक्षी की आने वाली फिल्में

बात करें मीनाक्षी चौधरी की आने वाली फिल्मों के बारे में तो वे विक्ट्री वेंकटेश के साथ संक्रांतिकी वस्तुन्नम के लिए कमर कस रही हैं, जो संक्रांति 2025 के दौरान एक भव्य रिलीज के लिए तैयार है। उन्होंने नागा चैतन्य के साथ एक प्रोजेक्ट साइन किया है, हालांकि आधिकारिक पुष्टि का इंतजार है। मैकेनिक रॉकी इस महीने की 22 तारीख को सिनेमाघरों में आ रही है। श्रद्धा श्रीनाथ भी इस फिल्म का हिस्सा हैं।

अब चीन में धमाल मचाएगी विजय सेतुपति की 'महाराजा'

महाराजा इस साल की सबसे बेहतरीन फिल्मों में से एक बनकर उभरी है, जिसने अपनी आकर्षक कहानी और विजय सेतुपति के दमदार अभिनय के लिए व्यापक प्रशंसा हासिल की है। फिल्म की बेहतरीन ढंग से तैयार की गई पटकथा ने दर्शकों को शुरू से अंत तक बांधे रखा, जिससे यह बॉक्स ऑफिस पर बड़ी सफलता हासिल करने में सफल रही। वहीं, अब इस फिल्म को लेकर अच्छी खबर सामने आई है।

अब निथिलन समिनाथन द्वारा निर्देशित महाराजा चीन में भी अपनी छाप छोड़ने के लिए तैयार है। महाराजा को लेकर ताजा जानकारी यह है कि फिल्म 29 नवंबर, 2024 को देश भर में 40,000 से अधिक स्क्रीन पर रिलीज होगी। इस महत्वाकांक्षी रोलआउट का प्रबंधन अलीबाबा पिक्चर्स के साथ साझेदारी में यी शि फिल्म्स द्वारा किया जा रहा है, जिससे यह चीन में किसी भारतीय फिल्म की सबसे बड़ी रिलीज में से एक बन गई है। यह देखना बाकी है कि चीनी दर्शक इस सिनेमाई चमत्कार को किस तरह से पसंद करते हैं। सुधन सुंदरम और जगदीश पलानीसामी द्वारा निर्मित और अजनीश लोकनाथ द्वारा संगीतबद्ध महाराजा विजय सेतुपति की 50वीं फिल्म होने के कारण भी विशेष महत्व रखती है। अपनी सम्मोहक कथा और बड़े पैमाने पर अंतर्राष्ट्रीय रिलीज के साथ महाराजा वैश्विक सिनेमा परिदृश्य में एक अमिट छाप छोड़ने के लिए तैयार है। फिल्म में अनुराग कश्यप, ममता मोहनदास, नट्टी (नटराज), भारतीराजा, अभिराम, सिंगमपुली, अरुलडोस, मुनीशकांत, विनोथ सागर, बॉयज मणिकंदन, कल्कि और सच्चा निमिदास सहित कई शानदार कलाकार शामिल हैं। इस फिल्म में विजय सेतुपति ने महाराजा नाम के एक नाई की भूमिका निभाई थी। जब महाराजा (विजय सेतुपति) की पत्नी की मृत्यु हो जाती है, तो वह अपनी बेटी ज्योति के साथ रहते हैं। एक दिन महाराजा अचानक पुलिस स्टेशन जाते हैं। उनकी शिकायत है कि उनमें से तीन ने उन पर हमला किया और उनकी बेटी को बचाने वाली लक्ष्मी का अपहरण कर लिया।

अजब-गजब | इस गांव में करोड़पति भी रहता है कच्चे मकान में!

यहां घरों में नहीं लगता है ताला घोषित है सर्वश्रेष्ठ पर्यटक गांव

भारत में हजारों सालों से लोग अलग-अलग मान्यताओं का पालन करते हैं। यहां पर गांव और शहर में लोग ऐसे रीति-रिवाजों का पालन करते मिल जाएंगे, जिस पर आपको यकीन नहीं होगा। लेकिन, इन जगहों के लोगों के लिए यह मान्यताएं बेहद खास होती हैं। राजस्थान में एक ऐसा ही गांव है, जहां पर हर किसी के घर कच्चे हैं, क्योंकि यहां पर लोग एक मान्यता की वजह से पक्का घर नहीं बनाते हैं। अगर करोड़पति लोग भी इस गांव में रह रहे हैं, तो वो भी कच्चे मकान में रहते हैं।

राजस्थान के इस गांव का नाम देवमाली है। यह गांव राज्य के ब्यावर जिले में स्थित है। गांव की सबसे खास बात यह है कि यहां पर कोई पक्का मकान नहीं बनाता है और लोग कच्चे घरों में रहते हैं। गरीब हो या अमीर सभी कच्चे घरों में रहते हैं। इसके अलावा गांव में कुछ ऐसी मान्यताओं का पालन किया जाता है, जो इसे खास बनाती हैं। देवमाली गांव को भारत का सर्वश्रेष्ठ पर्यटक गांव घोषित किया जा चुका है।

भगवान देवनारायण के नाम पर इस गांव का नाम रखा गया है। इस गांव में देवनारायण भगवान का मंदिर है, जो पहाड़ी के ऊपर स्थित है। इस गांव ने समृद्ध संस्कृति और सामाजिक जीवन को समेटे हुए है। करीब 3 हजार बीघे में फैले इस गांव में आधुनिक दौर में भी एक भी पक्का घर नहीं है। सबसे बड़ी बात यह है कि इस गांव में एक भी व्यक्ति ना तो शराब पीता है और ना ही मांसाहारी खाना खाता है। सबसे बड़ी बात यह है कि इस गांव में कोई भी अपने घरो में ताला नहीं लगाता है। इसके बावजूद यहां कभी चोरी नहीं होती है। यहां पर सभी लोग भगवान देवनारायण की आराधना करते हैं। कहा जाता है कि भगवान देवनारायण भगवान विष्णु के अवतार हैं।

स्थानीय लोगों के मुताबिक, जब भगवान देवनारायण यहां पर आए थे, तो वे ग्रामीणों की सेवा से खुश हुए थे। हालांकि, लोगों ने कुछ नहीं मांगा। इसके कारण भगवान ने जाते-जाते गांव के लोगों को आशीर्वाद दिया कि गांव में हमेशा सुख-समृद्धि और शांति रहेगी, लेकिन कोई भी अपनी छत पक्की न करवाए। उसके बाद से किसी ने भी अपना घर पक्का नहीं करवाया।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, भगवान देवनारायण ने लोगों से कहा कि जो भी व्यक्ति कच्चे मकान में रहेगा, शराब और मांस से परहेज करेगा, वो हमेशा इस गांव में खुश रहेगा। इस गांव की पूरी जमीन भगवान देवनारायण के नाम पर है। अक्षय कुमार की फिल्म जॉली एलएलबी-3 इस गांव में की शूटिंग भी हुई है। इस गांव में परपंरा, संस्कृति और भाईचारा का पालन आज भी होता है।

यूपी-बिहार नहीं पश्चिम का यह शहर है देश में सबसे गंदा

हर साल देश में स्वच्छ और गंदे शहरों को लेकर सर्वेक्षण होता है। इसमें कुछ नए नाम जुड़ते हैं, तो कुछ पुराने नाम लिस्ट से बाहर हो जाते हैं। स्वच्छता सर्वेक्षण में मध्य प्रदेश का इंदौर 2021 से 2023 तक देश का सबसे स्वच्छ शहर रहा है। स्वच्छ शहरों की इस लिस्ट में नवी मुंबई, विशाखापत्तनम जैसे कुछ नाम शामिल हैं।

स्वच्छ शहरों के बारे में अक्सर न्यूज में भी पढ़ने को मिल जाता है। लेकिन अगर आपसे पूछा जाए कि क्या आप जानते हैं कि देश का सबसे गंदा शहर कौन सा है? तो शायद आपको इस बारे में बिल्कुल जानकारी नहीं होगी। लेकिन इस लिस्ट में शामिल शहर का नाम देखकर आप हैरान रह जायेंगे। हालांकि, वो शहर यूपी-बिहार का नहीं है, बल्कि किसी और राज्य का है। अब जेहन में सवाल यह उठता होगा कि अगर वो शहर यूपी-बिहार का नहीं है, तो फिर किस राज्य का है? तो हम आपको इसका जवाब देंगे। वो शहर पश्चिम बंगाल में है, जिसका नाम वहां के बड़े शहरों में शुमार है। जानकर आपको भी हैरानी होगी। स्वच्छ सर्वेक्षण 2023 के अनुसार, पश्चिम बंगाल का हावड़ा भारत के सबसे गंदे शहर में शुमार है। इतना ही नहीं, एक लाख से अधिक आबादी वाले शहरों में शीर्ष 10 सबसे गंदे शहर पश्चिम बंगाल के ही हैं।

हावड़ा के अलावा, सूची में कल्याणी, मध्यमग्राम, कृष्णानगर, आसनसोल, रिशरा, बिधाननगर, कचरापारा, कोलकाता और भाटपारा शामिल हैं। कोलकाता और भाटपारा को छोड़कर सभी सबसे गंदे शहरों ने स्वच्छता में 1000 से कम नंबर मिले। इसके अलावा आपको बता दें कि दुनिया के सबसे प्रदूषित शहरों में पाकिस्तान का लाहौर पहले स्थान है, लेकिन इसके बाद देश की राजधानी दिल्ली दुनिया में दूसरी सबसे प्रदूषित सिटी है। दिल्ली के अलावा वियतनाम का हनोई और इजिप्ट का काइरो प्रदूषित शहरों की लिस्ट में शामिल हैं।

'एमवीए की ही बनेगी सरकार'

» राउत बोले- नतीजों के बाद महाराष्ट्र के नये सीएम पर होगी चर्चा

» बिटकॉइन का मामला फर्जी

बीजेपी ने चुनाव में लगाया पूंजीपतियों का पैसा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र में बुधवार को सभी 288 सीटों पर वोटिंग हो चुकी है। वोटिंग के बाद आए एग्जिट पोल के आकंड़ों ने सबको चौंका दिया है। अलग-अलग सर्वे एजेंसियों ने अपने एग्जिट पोल के नतीजे घोषित किए हैं, ज्यादातर एग्जिट पोल महायुति की सरकार बनने का दावा कर रहे हैं और महा विकास अघाड़ी की जीत की उम्मीदों पर पानी फिरता दिखा रहे हैं। इसी बीच शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत की प्रतिक्रिया आई है, उन्होंने कहा कि मैं दावे से कह रहा हूं हम 160 से 165 सीटें जीत रहे हैं, हम और हमारे साथी मिलकर बहुमत का आकंड़ा छू रहे हैं, एमवीए की सरकार बनेगी और मुख्यमंत्री कौन होगा, ये सभी नेता बैठकर तय करेंगे।

वहीं कांग्रेस से नाना पटोले के सीएम का चेहरा होने के दावे पर राउत ने कहा कि अगर ऐसा है तो राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे को आगे आकर सीएम का नाम घोषित करना चाहिए। उन्होंने कहा कि एमवीए की पूर्व बहुमत से सरकार बनेगी, जो पांच साल चलेगी। निर्दलीय और छोटी पार्टियों के साथ क्या करना है, चुनाव परिणाम के बाद देखेंगे, आज और कल हमारे पास दो दिन है, हम संभावित परिणामों पर चर्चा करेंगे।

इसके साथ ही शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने बीजेपी पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि चुनाव में गौतम अडानी का पैसा आया है, चुनाव में इस बार 2000 करोड़ से ज्यादा पैसा खर्च हुआ है, महा विकास अघाड़ी को हराने के लिए, राज्य के चुनाव में सारा पैसा अडानी का है, ट्रंप प्रशासन की तरह अडानी की भी जांच करवाई जानी चाहिए, हमारी सरकार बनेगी तो हम अडानी के खिलाफ जांच करेंगे, अडानी के खिलाफ कम से कम 100 एफआईआर दर्ज होगी। राउत ने बिटकॉइन के मामले को फर्जी बताया।

एग्जिट पोल से अलग होगी ग्राउंड रियलिटी : क्रैस्टो

एग्जिट पोल के नतीजों पर महा विकास अघाड़ी में एनसीपी शरद पवार की पार्टी के नेता क्लाइड क्रैस्टो की भी प्रतिक्रिया आई। उन्होंने कहा कि हम सबने देखा हरियाणा में क्या हुआ, एग्जिट पोल के नतीजे कुछ और थे और चुनाव के नतीजे कुछ और, नतीजे के दिन सुबह कुछ और था और दोपहर को कुछ और क्योंकि ग्राउंड रियलिटी अलग होती है, हम जमीन से जुड़े लोग हैं, हम समझते हैं कि क्या हो रहा है, लोगों को 23 नवंबर तक का इंतजार करना चाहिए। वहीं देवेंद्र फडणवीस ने मतदान प्रतिशत बढ़ने पर महायुति को फायदा मिलने का दावा किया, जिसपर क्लाइड क्रैस्टो ने कहा कि वोटिंग प्रतिशत में कोई बढ़ोतरी नहीं हुई, उनका अनुमान गलत है। उन्हें डिटेल लेने की जरूरत है, लोगों ने वोट किया और तय कर दिया है। अब 23 नवंबर को रिजल्ट का इंतजार करना चाहिए।

डर से फर्जी मामले बना रही भाजपा : नाना पटोले

» बिटकॉइन घोटाले के आरोपों पर महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष ने तोड़ी चुप्पी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले ने बिटकॉइन घोटाले के आरोपों पर चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने दावा किया कि बीजेपी हार के डर से ऐसा कर रही है। हालांकि, उन्होंने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव जीतने का भरोसा जताया। उन्होंने कहा कि भाजपा के नेतृत्व वाले प्रशासन और उसके गठबंधन के खिलाफ जनता का गुस्सा स्पष्ट है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में लोग भाजपा और उसके गठबंधन से नाराज हैं। यह गुस्सा उनके वोटों में दिखाई दे रहा है। वोट प्रतिशत बढ़ा है। बिटकॉइन घोटाले पर भी पटोले ने कहा कि भाजपा की कार्रवाई न केवल डराने में विफल रही है, बल्कि उनकी पार्टी के लिए सहानुभूति भी पैदा हुई है। उन्होंने कहा कि बीजेपी के इस कदम पर लोग हंस रहे हैं। हमें जनता की सहानुभूति मिली है।

महाराष्ट्र के लोग मेरे चरित्र को जानते हैं। बीजेपी सांसद सुधांशु त्रिवेदी द्वारा शेयर किए गए ऑडियो को लेकर लोगों का मानना है कि बीजेपी हार के डर से ऐसा कर रही है। हमने कल रात एफआईआर दर्ज की। इससे पहले भाजपा के सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कांग्रेस नेता नाना पटोले और एनसीपी सांसद सुप्रिया सुले पर एमवीए के पक्ष में चुनाव परिणामों को प्रभावित करने के लिए अवैध बिटकॉइन लेनदेन का उपयोग करने की साजिश रचने का आरोप लगाया। उन्होंने कांग्रेस तथा राकांपा (एसपी) अध्यक्ष शरद पवार की बेटी एवं लोकसभा सदस्य सुले से जवाब देने को कहा। सुले ने आरोपों से इनकार करते हुए कहा कि उन्होंने इनके खिलाफ निर्वाचन आयोग तथा साइबर अपराध विभाग में आपराधिक शिकायत दर्ज कराई है।

बीजेपी के लोग बड़बोले : पांडेय

» एग्जिट पोल विश्वसनीय नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रांची। झारखंड में वोटिंग के बाद आए एग्जिट पोल के आंकड़ों ने एनडीए की सरकार बनने का दावा किया है, इसपर जेएमएम नेता मनोज पांडे ने कहा कि बीजेपी बड़बोली हैं। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव में 400 पार का आकंड़ा पहुंचाने के लिए सर्वे एजेंसियां आपस में ही एक कंपटीशन कर रही थीं कि कौन ज्यादा सीट देता है, ऐसी स्थिति में सर्वे एजेंसियों की भूमिका विश्वसनीय नहीं रह जाती, हमने देखा है। हेमंत सोरेन पर लोगों ने भरोसा जताया है।

कल्पना और हेमंत सोरेन की सभाओं में जो भीड़ उमड़ रही थी, खासकर महिलाओं का जो उत्साह और उमंग था वो दर्शाता था कि हमारी सरकार आ रही है। उन्होंने कहा कि आधी आबादी ने तय कर लिया और आधी आबादी का उत्साह देखने लायक था, वो बीजेपी के लोग भी देख रहे थे। लेकिन, 23 नवंबर तक ये सभी बड़बोले लोग बोलेंगे। कुछ ना कुछ बोलकर खबरों में बना रहना

चाहेंगे। 23 नवंबर को चार बजे के बाद आपको बीजेपी का प्रवक्ता खोजने से भी नहीं मिलेगा। पांडे ने कहा कि बीजेपी ने पिछले चुनाव में 65 पार का नारा दिया था, लेकिन असल में क्या हुआ, 400 पार का नारा भी उनका था असल क्या हुआ। कई सर्वे एजेंसियों ने दिखाया है कि हम 50 से अधिक सीटें जीत रहे हैं, उसके बाद भी हम एक्जेक्ट पोल पर भरोसा करते हैं, अपने कार्यकर्ताओं के माध्यम से हमें जो फीडबैक मिला है और अपने इंटरनल सर्वे से जो पता चला है उसके अनुसार हम 50 से ज्यादा सीटें जीतने वाले हैं।

बिना मतलब की बातों को तूल दे रही भाजपा : नरेश चौहान

» पर्यटन निगम के होटलों को लेकर पूर्व जयराम सरकार पर निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिमला। हिमाचल के मुख्यमंत्री के प्रधान सलाहकार मीडिया नरेश चौहान ने तत्कालीन जयराम सरकार के ऊपर हमला बोला है। उन्होंने कहा भाजपा के कार्यकाल के समय पर्यटन निगम के होटलों को बेचने का प्रयास किया गया। इस पर इनक्वायरी बिठाने का सुझाव दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि ईडी की जांच से सरकार का कोई मतलब नहीं है। यह कारोबारियों से संबंधित है। जहां-जहां भी गैर भाजपा सरकारें हैं, वहां-वहां ईडी, आयकर विभाग को लगाना भाजपा का पुराना मॉडल है।

राज्य सचिवालय में नरेश चौहान ने कहा कि एक दिन में भाजपा के पांच-पांच लोग प्रेस वार्ता कर रहे हैं। इससे भाजपा में नेतृत्व की स्पर्धा सामने आ रही है। चौहान ने कहा कि राज्य में भाजपा बगैर मतलब के छोटी-छोटी बातों को राष्ट्रीय स्तर पर तूल दे रही है। नरेश चौहान ने कहा कि जिस प्रकार 64 करोड़ रुपये देने का मामला है और हिमाचल भवन को अटैच करने का मामला है, यह पहला नहीं है। पिछली सरकार में ऊना रेलवे स्टेशन मामले में भी अटैचमेंट के ऐसे ऑर्डर हुए थे। पॉवर पॉलिसी में ओपन बिडिंग से पॉवर आवंटन होता था। नरेश चौहान ने कहा कि 280 करोड़ रुपये की अपफ्रंट प्रीमियम की लड़ाई हमने जीती है। जयराम सरकार ने कभी इस बात पर ध्यान नहीं दिया। उन्हें इस बात का ध्यान देना चाहिए था।

विपक्ष के नेता गलत प्रचार कर रहे

चौहान ने कहा कि पर्यटन निगम का भी एक फैसला पिछले दिन आया है। सरकार 18 होटलों को बंद करने के फैसले पर गौर कर रही है। पर्यटन निगम के होटलों को आउटसोर्स करने के फैसले पर भी निर्णय लिया जाएगा। विपक्ष के नेता इस संबंध में गलत प्रचार कर रहे हैं। जयराम सरकार के समय में पर्यटन निगम के होटलों को बेचने का प्रस्ताव बनाया गया था। यह कांग्रेस ने मुद्दा बनाया था। उन्होंने कहा कि जयराम ठाकुर से यह सवाल होना चाहिए। एक व्यक्ति ने हमें भी बताया कि जयराम सरकार ने पार्टी फंड की एवज में पर्यटन निगम के होटलों को एक व्यक्ति को दिया जा रहा था।

तिलक टी-20 रैंकिंग में शीर्ष तीन में शुमार

» सूर्यकुमार को पीछे छोड़ा, हार्दिक बने नंबर-एक ऑलराउंडर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

दुबई। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच हाल ही में खेली गई टी20 सीरीज के बाद आईसीसी ने ताजा टी20 रैंकिंग जारी कर दी है। भारत के स्टार बल्लेबाज तिलक वर्मा लगातार दो शतक लगाने के बाद 69 स्थान की छलांग लगाते हुए तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। वहीं, भारत के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या इंग्लैंड के लियाम लिविंगस्टोन को पछाड़कर दुनिया के नंबर एक टी20 ऑलराउंडर बन गए हैं। लिविंगस्टोन के अलावा हार्दिक ने नेपाल के दीपेंद्र सिंह ऐरी को पीछे छोड़ दिया।

यह दूसरी बार है जब हार्दिक टी20 ऑलराउंडरों की सूची में नंबर एक रैंकिंग पर पहुंचे हैं। आईसीसी की ताजा रैंकिंग में ऑस्ट्रेलिया के मार्कस स्टोइनिस चौथे नंबर पर और श्रीलंका के पूर्व कप्तान वानिंदु हसरंगा पांचवें नंबर पर हैं। तिलक वर्मा ने सीरीज में 280 रनों के साथ सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे थे। वह फिलहाल रैंकिंग में पहले स्थान पर मौजूद ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड और दूसरे स्थान पर मौजूद इंग्लैंड के फिल सॉल्ट से पीछे हैं। भारतीय टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव उनसे एक स्थान पीछे यानी चौथे स्थान पर खिसक गए हैं। इसके अलावा दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज में दो शतक बनाने वाले संजू सैमसन टी20 बल्लेबाजों की सूची में 17 स्थान चढ़कर 22वें स्थान पर पहुंच गए। वहीं, तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह तीन स्थान के फायदे से नौवें स्थान पर पहुंच गए। यह उनकी सर्वश्रेष्ठ करियर रैंकिंग है।

नीतीश पर्थ टेस्ट से करेंगे डेब्यू!

पर्थ। भारतीय टीम के गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल ने इस बात के संकेत दिए हैं कि 21 वर्षीय ऑलराउंडर नीतीश रेड्डी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पर्थ में होने वाले पहले टेस्ट मैच में डेब्यू कर सकते हैं। आंध्र प्रदेश के इस युवा खिलाड़ी ने अपने प्रदर्शन से इस साल काफी प्रभावित किया है और उन्हें पहली बार भारतीय टेस्ट टीम में जगह मिली है। मैच के पूर्व प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान मोर्कल ने रेड्डी के कौशल की प्रशंसा की। उन्होंने कहा, ऑलराउंड क्षमता के कारण नीतीश पर नजर रखी जाएगी। वह ऐसे खिलाड़ी हैं जो एक छोर से मोर्चा संभाल सकते हैं, विशेषकर शुरुआती कुछ दिनों में। नीतीश विकेट निकालने वाले गेंदबाज हैं। यह जसप्रीत बुमराह पर निर्भर करेगा कि वह उनका इस्तेमाल कैसे करते हैं। वह ऐसे खिलाड़ी हैं जिन पर इस सीरीज के दौरान नजरें रहेंगी।

अमेरिका में अडानी पर लगा धोखाधड़ी का अरोप

» भारत में मचा सियासी बवाल, कांग्रेस ने भाजपा व पीएम मोदी को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। अमेरिकी अभियोजकों द्वारा अडानी समूह के अध्यक्ष गौतम अडानी पर कथित रिश्वतखोरी और धोखाधड़ी योजना का आरोप लगाए जाने के बाद देश में सियासी बवाल मच गया है। कांग्रेस ने इसको लेकर भाजपा पर तीखा प्रहार किया है। उधर इन आरोपों को अडानी ग्रुप ने निराधार बताया है। वहीं इस खबर के आने के बाद सेंसेक्स पर करारा झटका लगा है और अडानी समूह के शेयर नीचे गिर गए हैं।

अडानी समूह ने आरोपों को बताया निराधार

न्यूयॉर्क के पूर्वी जिले के अमेरिकी अटॉर्नी कार्यालय के अनुसार, गौतम अडानी, सागर आर. अडानी और विनीत एस. जैन पर प्रतिभूति और वायर धोखाधड़ी तथा प्रतिभूति धोखाधड़ी करने की साजिश रचने का आरोप लगाते हुए संघीय अदालत में पांच-अनुसूची आपराधिक अभियोग खोला गया, जिसमें झूठे और भ्रामक बयानों के आधार पर अमेरिकी निवेशकों और वैश्विक वित्तीय संस्थानों से धन प्राप्त करने की बहु-अरब डॉलर की योजना में उनकी भूमिका थी। अभियोग में रंजीत गुप्ता और रूपेश अग्रवाल, एक अक्षय ऊर्जा कंपनी के पूर्व अधिकारी, जिनकी प्रतिभूतियों का कारोबार न्यूयॉर्क स्टॉक एक्सचेंज (अमेरिकी जारीकर्ता) में हुआ था, तथा सिरिल कैबनेस, सौरभ अग्रवाल और दीपक मल्होत्रा, जो एक कनाडाई संस्थागत निवेशक के पूर्व कर्मचारी थे, पर भी कथित रिश्वतखोरी योजना के संबंध में विदेशी भ्रष्ट आचरण अधिनियम का उल्लंघन करने की साजिश का आरोप लगाया गया है।

20% तक गिरे अडानी स्टॉक्स

सुबह भारतीय शेयर बाजार के खुलते ही अडानी समूह के शेयरों में तेज गिरावट आ गई। अडानी एनर्जी सोल्यूशंस और अडानी एंटरप्राइजेज का स्टॉक 20 फीसदी तक जा गिरा। अडानी पोर्ट्स में 15 फीसदी, अडानी ग्रीन एनर्जी में 18.31 फीसदी, अडानी पावर में 11.54 फीसदी, अडानी विल्मर में 10 फीसदी, अंबुजा सीमेंट में 1084 फीसदी, एडानी टोटाल गैस में 13.37 फीसदी की गिरावट देखी जा रही है।

अडानी गिरफ्तार हों, पीएम मोदी हर बार बचाते हैं : राहुल

अमेरिका में रिश्वत कांड को लेकर विवादों में घिरे गौतम को लेकर राहुल ने कहा कि अमेरिका की एजेंसी ने उन्हें रंगे हाथ पकड़ा है, लेकिन भारत में उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं होती है. उन्हें गिरफ्तार करना चाहिए। राहुल गांधी ने पीएम मोदी पर अडानी से सांठगांठ का आरोप लगाया। राहुल गांधी ने कहा कि हम चुप नहीं बैठेंगे, इस मुद्दे को संसद में भी उठाएंगे, हम ये भी जानते हैं कि बीजेपी सरकार अडानी को बचाएगी, अमेरिकी जांच एजेंसी ने कहा है कि अडानी ने 2 हजार करोड़ रुपये का भ्रष्टाचार किया है, इसके बाद भी उनकी गिरफ्तारी नहीं हो रही है, अडानी अभी जेल के बाहर क्यों हैं, अडानी की गिरफ्तारी होनी चाहिए।

आरोपों की जेपीसी से जांच करवाए : जयराम

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने गुरुवार को कहा कि इससे विभिन्न कथित घोटालों की संयुक्त संसदीय समिति से जांच कराने की कांग्रेस की मांग सही साबित हुई है। एक्स पर एक पोस्ट में, जयराम ने कहा, अमेरिका के एसईसी द्वारा अडानी और अन्य पर अभियोग लगाया जाना, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस द्वारा जनवरी 2023 से विभिन्न मोदानी घोटालों की संयुक्त संसदीय समिति द्वारा जांच की मांग को सही साबित करता है। कांग्रेस ने अपनी हम अडानी के हैं श्रृंखला में इन घोटालों के विभिन्न आयामों और पीएम और उनके पसंदीदा व्यवसायी के बीच मौजूद अंतरंग सांठगांठ को सामने लाते हुए सौ सवाल पूछे थे। ये सवाल अनुत्तरित रह गए हैं।

प्रतिक्रिया व्यक्त करने से पहले पढ़ना हमेशा अच्छा होता है : मालवीय

भाजपा नेता अमित मालवीय ने गुरुवार को कहा कि संसद सत्र और डोनाल्ड ट्रम्प के आसन्न राष्ट्रपति पद से ठीक पहले रिपोर्ट का समय कई सवाल उठाता है। जयराम रमेश द्वारा मामले की जेपीसी जांच की मांग के बाद मालवीय ने कांग्रेस पर कड़ा प्रहार किया। जयराम रमेश के दावों पर पलटवार करते हुए भाजपा नेता ने लिखा कि किसी की प्रतिक्रिया व्यक्त करने से पहले पढ़ना हमेशा अच्छा होता है। आपके द्वारा उद्धृत दस्तावेज़ कहता है, अभियोग में आरोप आरोप हैं और प्रतिवादियों को तब तक निर्दोष माना जाता है जब तक कि वे दोषी साबित न हो जाएं। अमित मालवीय ने लिखा कि यहां बताए गए सभी राज्य उस दौरान विपक्ष शासित थे। इसलिए, उपदेश देने से पहले, कांग्रेस और उसके सहयोगियों द्वारा ली गई रिश्वत पर जवाब दें।

निर्माणाधीन बिल्डिंग में काम कर रहे मजदूरों पर गिरी दीवार, कई दबे

» क्षेत्रीय लोगों की मदद से पीड़ितों को पहुंचाया गया अस्पताल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लखनऊ विकास प्राधिकरण के जोन 6 में अनियोजित विकास इतने चरम पर पहुंच चुका है कि अब तो मजदूरों की जान पर बन आयी है मगर जिम्मेदारों के रूह तक नहीं कांप रही बता दें तंज गलियों में बना रहे गगनचुंबी इमारतें न केवल राजधानी की सूरत हाल बदल कर रही है बल्कि लोगों को मौत के आगोश तक लेकर जा रही है।

हाल ही में चारबाग में विराट होटल कांड , लेवाना होटल कांड जैसे कई हादसे हुए मगर जिम्मेदारों की आंखें अभी तक नहीं खुली आज ही राजेंद्र नगर में अवैध निर्माण करने के दौरान कुछ मजदूर निर्माण तले दब गए हालांकि इलाकाई लोगों की तत्परता से दबे हुए मजदूरों को निकाल कर अस्पताल तो पहुंचा दिया गया मगर सवाल लगातार

प्राधिकरण के जोन 6 में तैनात जिम्मेदार अफसरों पर खड़ा हो रहा है कि आखिर जो अफसर घरों को सील कर अपनी पीठ थप थपा रहे हैं उन्हें गगनचुंबी मारते हैं क्यों नहीं दिख रही जो लोगों को मौत की आगोश में ले जा रहीं हैं मीडिया सूत्रों के अनुसार जोन 6 में हाल ही में हुए एक ध्वस्तीकरण को लेकर मंडला आयुक्त ने जोनल से स्पष्टीकरण तक मांगा है मगर साहब तहसीलदार पद पर तैनात होकर भी बड़ी जिम्मेदारियां को जिम्मेदारी से निर्वहन नहीं कर पा रहे हैं अब देखना होगा कि पूरे मामले पर जोनल और संबंधित अभियंताओं पर कब विभागीय चाबुक चलेगा।

अलीगढ़ में यमुना एक्सप्रेसवे पर दर्दनाक हादसा

बस-ट्रक की टक्कर में 5 की मौत, पुलिस ने तुरंत घायलों को अस्पताल में भर्ती करवाया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अलीगढ़। यमुना एक्सप्रेसवे पर एक बस और ट्रक के बीच टक्कर होने से पांच लोगों की मौत हो गई। जबकि 15 लोग घायल बताए जा रहे हैं। ये दर्दनाक हादसा अलीगढ़ के पास हुआ है, पुलिस ने बताया कि दुर्घटना की सूचना मिलते ही वह तुरंत मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। ये हादसा बुधवार और गुरुवार रात के दरम्यानी, जिले के टप्पल इलाके के पास हुआ है।

एक घायल ने संवाददाताओं को बताया कि निजी बस दिल्ली के कश्मीरी गेट से पूर्वी उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ जा रही थी। टक्क र मारने वाले ट्रक में कांच का सामान लदा हुआ था। हादसे के बाद सड़क पर दोनों तरफ से वाहनों की लंबी लाइन लग गई थी, जिसके चलते जाम की स्थिति बन गई। बस के यात्रियों की मानें तो बस का चालक नशे में था। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक हादसा होने के बाद चीख पुकार मच गई थी। लोग जहां तहां फंसे हुए थे, किसी तरह उन्हें बाहर निकाला गया और पुलिस को सूचना दी गई. मौके पर पहुंची स्थानीय पुलिस ने रेस्क्यू कर सभी घायलों को अस्पताल पहुंचाया।

पांच माह के बच्चे की भी मौत

यह हादसा इतना भीषण था कि बस का एक हिस्सा पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घायलों को बस से बाहर निकलवाया। पुलिस ने बताया कि हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई, जिसमें एक महिला और पांच माह का बच्चा भी शामिल है, बस अयोध्या से दिल्ली होते हुए आजमगढ़ जा रही थी, मृतकों की शिनाख्त की जा रही है।

कोलकाता से पटना जा रही बस हजारीबाग में पलटी, 7 की मौत

रांची। झारखंड के हजारीबाग के बरकट्ठा के गोरहर थाना क्षेत्र में गुरुवार सुबह हुए दर्दनाक बस हादसे में 7 लोगों की मौत हो गई। साथ ही इस हादसे में एक दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए हैं, जानकारी के मुताबिक यह घटना सुबह 4 बजे की बताई जा रही है, सड़क पर सिक्स लेन निर्माण का कार्य हो रहा है और इस वजह से सड़क को काट कर छोड़ दिया गया है, ऐसे में बस बरकट्ठा रोड पर अनियंत्रित होकर गड्ढे में पलट गई। यह हादसा थाने से महज 200 मीटर की दूरी पर हुआ है, लोगों की चीख पुकार सुनकर आसपास के गांव के लोग एकत्रित हुए और गोरहन थाना पुलिस को घटना की जानकारी दी। बस बिहार से पटना जा रही थी। घायलों को निकालने में पूर्व विधायक जानकी यादव ने मदद की और उनकी टीम भी मौके पर पहुंची, सभी घायलों की प्राथमिक चिकित्सा की व्यवस्था कराई गई है, मौके पर बरकट्ठा का सीओ, पुलिस अधिकारी घटनास्थल पर मौजूद रहे, घायलों को एंबुलेंस से प्राथमिक चिकित्सा के बाद हजारीबाग मेडिकल कॉलेज भेजा गया है।

माननीय बनाने में 'डीएम' की भूमिका अहम

» यूपी उपचुनाव : दलित व मुस्लिम वोटों पर रही नजर, लड़ाई से बाहर दिखी बसपा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी के उपचुनाव में कमोबेश सभी जगह बसपा मुख्य लड़ाई से गायब दिखी। इससे भाजपा और सपा सीधी लड़ाई में आ गए। कई सीटों पर दलित मतदाता बंटे हुए दिखाई दिए, जिसने गुणा-भाग को थोड़ा मुश्किल बना दिया। जिसके पक्ष में दलित मतदाता ज्यादा गए, परिणाम उसी के पक्ष में रहेगा।

कुंदरकी में भाजपा मुस्लिम मतों में सेंध लगाते हुए दिखी, जिसे काफी चौंकाने वाला माना जा रहा है। सीसामऊ में सपा और भाजपा के बीच कांटे की टक्कर होने को अनुमान है। यहां के कुल 48 मतदान केंद्रों में से आधे से ज्यादा में बसपा और किसी में भी निर्दलीय प्रत्याशी का बस्ता नहीं दिखा। कटेहरी उपचुनाव में मतदान से पहले की स्थिति कुछ और थी। तब मुकाबला त्रिकोणीय माना जा रहा था। संभावना थी कि बसपा प्रत्याशी अमित वर्मा अपने सजातीय मतों में सेंधमारी कर सपा को तगड़ी चोट देंगे, लेकिन मतदान के दौरान ऐसा प्रतीत नहीं हुआ। अंत में भाजपा के धर्मराज निषाद और सपा की शोभावती वर्मा के बीच ही सीधा मुकाबला दिखा। अलबत्ता, बसपा का प्रदर्शन कमल व साइकिल का संतुलन बिगाड़ सकता है। राजनीतिक जानकारों के अनुसार बसपा ने अपने पारंपरिक वोटों के साथ ही जातिगत समीकरण को साधा तो सपा का गणित बिगड़ सकता है।

मीरापुर में एक साथ नहीं दिखे मुस्लिम-दलित

मीरापुर विधानसभा के उपचुनाव में मतदान के बाद सियासी कयासबाजियों का दौर शुरू हो गया है। मुकाबला रालोद प्रत्याशी मिथलेश पाल और सपा प्रत्याशी सुम्बुल राना के बीच सिमटता हुआ नजर आया। बसपा और आसपा प्रत्याशियों के बीच तीसरे नंबर की लड़ाई दिखी। मुस्लिम मतों की अधिकता वाले गांव के मत प्रतिशत से नतीजे तय होने के आसार बन गए हैं। अति पिछड़ा वर्ग और जाट मतों की अधिकता वाले गांव में रालोद प्रत्याशी के पक्ष में रुझान नजर आया। मोकरहेड़ी, करहेड़ा, बेलड़ा समेत अन्य गांवों में रालोद प्रत्याशी के पक्ष में मतदाताओं की लामबंदी दिखी। मुस्लिम मतों की अधिवक्ता वाले ककरौली, सीकरी, मीरापुर, जटवाड़ा, जौली में सुबह मुस्लिम मतदाता सपा, बसपा और आसपा के बीच बंटते नजर आए। ककरौली में पथराव के बाद मुस्लिम मतों की लामबंदी सपा प्रत्याशी के समर्थन में अधिक दिखी। मीरापुर में अनुसूचित जाति के मतदाताओं में बिखराव नजर आया। युवाओं ने आसपा को तरजीह दी, जबकि अन्य मतदाताओं की पहली पसंद बसपा नजर आई। भाजपा-रालोद गठबंधन के हिस्से में भी दलित मतदाता आए। सपा यहां पर दलित-मुस्लिम फार्मूला बनाने में कामयाब होती नजर नहीं आई। गुर्जरों के मतों के बंटवारे पर भी सबकी निगाह बनी हुई है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार : सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार : संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट : हसन जैदी, दूरभाष : 0522- 4078371 | Email : daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।